संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
दैनिक घटती घटना
Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com
अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -148 रविवार, 31 मार्च 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

जेल में पहले से ही बंद सत्येंद्र जैन की मुश्किलें बढ़ीं

सुकेश चंद्रशेखर से उगाही मामले में सीबीआई जांच को मिली मंजूरी

नई दिल्ली,30 मार्च 2024 (ए)। आम आदमी पार्टी को आज करारा झटका लगा है। जेल में बंद सत्येंद्र जैन की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रहीं हैं। सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली के पूर्व मंत्री और आप नेता सत्येंद्र जैन के खिलाफ गृह मंत्रालय ने भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत सीबीआई जांच की मंजूरी दे दी है। सत्येंद्र जैन के खिलाफ ठग सुकेश चंद्रशेखर से 'प्रोटेक्शन मनी' के रूप में 10 करोड़ रुपये की उगाही करने का आरोप है, साथ ही इस मामले में सतेंद्र जैन और तिहाड़ जेल के पूर्व डीजी संदीप गोयल पर तिहाड़ जेल में जबरन वसूली का रैकेट चलाने और दिल्ली की विभिन्न जेलों में बंद हाई प्रोफाइल कैदियों से प्रोटेक्शन मनी वसूलने का भी आरोप है।

गैस सिलेंडर फटने से मां और तीन बच्चों की दर्दनाक मौत

देवरिया ,30 मार्च 2024 (ए)। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले से दर्दनाक घटना सामने आई है। चाय बनाते समय गैस सिलेंडर फट गया, जिसकी जद में

आकर मां और 3 बच्चों की मौत हो गई। यह पूरा मामला भलूआनी थाना क्षेत्र के डुमरी गांव का है।म्लिी जानकारी के मुताबिक, डुमरी गांव के रहने वाले शिव शंकर गुप्ता की पत्नी आरती देवी घर में चाय बना रही थी, तभी अचानक सिलेंडर फट गया, जिससे आरती (उम्र 35 वर्ष) और उनके तीन बच्चे आंचल (14 वर्ष), कुंदन (12 वर्ष) और सृष्टि (11 माह) की दर्दनाक मौत हो गई।सिलेंडर फटने की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे डीएम एसपी ने घटनास्थल का जायजा लिया और पूरी रिपोर्ट शासन को भेज दी है।वहीं, विस्फोट इतना भयावह था कि शव को पहचान पाना मुश्किल हो रहा है। शव पूरी तरह से क्षत-विक्षत हो चुके हैं।

सर्वोच्च सम्मान से नवाजी गईं देश की 4 हस्तियां

आडवाणी को आज दिया जाएगा भारत रत्न

नई दिल्ली,30 मार्च 2024 (ए)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में पूर्व प्रधानमंत्रियों पीवी नरसिम्हा राव और चौधरी चरण सिंह, कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन तथा बिहार के 2 बार मुख्यमंत्री रहे कर्पूरी ठाकुर को देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' (मरणोपरांत) प्रदान किया। राव, सिंह, ठाकुर और स्वामीनाथन को दिए गए पुरस्कार उनके परिवार के सदस्यों ने लिए। पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के लिए मुर्मू से यह सम्मान उनके पुत्र पी वी प्रभाकर राव ने स्वीकार किया। चौधरी चरण सिंह के लिए उनके पोते और राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने राष्ट्रपति से यह सम्मान स्वीकार किया। स्वामीनाथन की ओर से उनकी बेटी नित्या राव और कर्पूरी ठाकुर की ओर से उनके बेटे रामनाथ ठाकुर ने राष्ट्रपति मुर्मू से यह पुरस्कार लिया।
पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को यह सम्मान रविवार को उनके आवास पर दिया जाएगा। इस समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। सरकार ने इस साल राव, सिंह, ठाकुर और स्वामीनाथन के अलावा बीजेपी के दिग्गज नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री एल के आडवाणी को भारत रत्न पुरस्कार देने की घोषणा की थी।

बिहार के पहले गैर कांग्रेसी मुख्यमंत्री थे कर्पूरी ठाकुर

'जननायक' के रूप में मशहूर ठाकुर पहले गैर-कांग्रेसी नेता थे जो दिसंबर 1970 से जून 1971 तक और दिसंबर 1977 से अप्रैल 1979 तक दो बार बिहार के मुख्यमंत्री रहे। सामाजिक भेदभाव और असमानता के खिलाफ संघर्ष में उनकी अहम भूमिका थी। बिहार में 'ओबीसी' (अन्य पिछड़ा वर्ग) राजनीति के एक स्रोत रहे ठाकुर का जन्म 24 जनवरी, 1924 को समाज के सबसे पिछड़े वर्गों में से एक नाई समाज में हुआ था।
सकारात्मक कार्रवाई के प्रति ठाकुर की प्रतिबद्धता ने देश के गरीबों, पीड़ितों, शोषितों और वंचित वर्गों को प्रतिनिधित्व और अवसर दिए। उनकी नीतियां और सुधार कई लोगों के जीवन खासकर शिक्षा, रोजगार और किसान कल्याण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव लाने में अग्रणी रहे। मुख्यमंत्री के रूप में ठाकुर के कार्यकाल को मुंगेरी लाल आयोग की सिफारिशें लागू करने के लिए भी याद किया जाता है जिसके तहत राज्य में पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण लागू किया गया था। ठाकुर का 17 फरवरी 1988 को निधन हो गया था।

भारतीय राजनीति के चाणक्य कहे जाते थे नरसिम्हा राव

बहुभाषाविद्, राजनेता और विद्वान, पी. वी. नरसिम्हा राव को भारतीय राजनीति के चाणक्य के रूप में जाना जाता है, जिनके प्रधानमंत्री रहने के दौरान देश में दूरगामी आर्थिक सुधारों की शुरुआत हुई थी। वह 1991 से 1996 तक देश के प्रधानमंत्री पद पर रहे थे। वह किसी दक्षिणी राज्य से देश के पहले प्रधानमंत्री थे। वह नेहरू-गांधी परिवार से बाहर के ऐसे पहले कांग्रेस नेता थे जिन्होंने प्रधानमंत्री के पद पर पांच साल का कार्यकाल पूरा किया। उन्होंने 1990 के दशक की शुरूआत में भारत को आर्थिक भंवर से निकाला।
अविभाजित आंध्र प्रदेश के करीमनगर जिले (अब तेलंगाना में) के वंगारा गांव में एक कृषक परिवार में 28 जून, 1921 को राव का जन्म हुआ था। उन्होंने उस्मानिया, मुंबई और नागपुर विश्वविद्यालयों में शिक्षा हासिल की, जहां से उन्होंने बीएससी और एलएलबी की उपाधि ली। नेहरू-गांधी परिवार के विश्वस्त राव ने 1980 के दशक में अलग-अलग अवधि के दौरान केंद्र में महत्वपूर्ण गैर-आर्थिक विभाग--विदेश मंत्रालय, रक्षा और गृह मंत्रालय-संभाला था।

स्वामीनाथन ने बदल दी थी किसानों की तकदीर

कृषि वैज्ञानिक एम. एस. स्वामीनाथन का कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान रहा कि जो देश 1960 के दशक में अपने लोगों का भरण-पोषण करने के लिए अमेरिकी गेहूं पर निर्भर था वह 1971 में अनाज उत्पादन में आत्म-निर्भर घोषित कर दिया गया। स्वामीनाथन का 98 वर्ष की आयु में 28 सितंबर 2023 को निधन हो गया। उन्होंने अमेरिकी कृषि विज्ञानी नॉर्मन बोरलॉग के साथ भारत और उपमहाद्वीप में चावल और गेहूं की उच्च उपज वाली आनुवंशिक किस्मों की खेती शुरू की। स्वामीनाथन को उनके काम के लिए 1987 में पहला विश्व खाद्य पुरस्कार दिया गया।

किसान परिवार में हुआ था चौधरी चरण सिंह का जन्म

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जाट नेता चौधरी चरण सिंह 28 जुलाई 1979 और 14 जनवरी 1980 के बीच प्रधानमंत्री पद पर रहे। उनका 1987 में निधन हो गया। चरण सिंह का जन्म उत्तर प्रदेश के वर्तमान हापुड़ जिले के नूरपुर में एक मध्यमवर्गीय किसान परिवार में 1902 में हुआ था। 1929 में वह मेरठ चले गए और बाद में कांग्रेस में शामिल हो गये। कांग्रेस विभाजन के बाद फरवरी 1970 में दूसरी बार वे कांग्रेस पार्टी के समर्थन से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने।
हालांकि, राज्य में 2 अक्टूबर 1970 को राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया था। चरण सिंह ने विभिन्न पदों पर रहते हुए उत्तर प्रदेश की सेवा की एवं उनकी ख्याति एक ऐसे कड़क नेता के रूप में हो गई थी, जो प्रशासन में अक्षमता, भाई-भतीजावाद एवं भ्रष्टाचार को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करते थे। प्रतिभाशाली सांसद एवं व्यवहारवादी चरण सिंह अपनी वाक्पटुता एवं दृढ़ विश्वास के लिए जाने जाते हैं। चरण सिंह के पोते जयंत चौधरी की अगुवाई वाली रालोद हाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल हो गयी।

रोक लगने से पहले सरकार ने छापे 8350 चुनावी बांड

एक-एक करोड़ रुपये के बॉन्ड छापने का ऑर्डर दिया

नई दिल्ली,30 मार्च 2024 (ए)। भारतीय स्टेट बैंक ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा प्राप्त चुनावी बांड से संबंधित सभी जानकारी भारत निर्वाचन आयोग को सौंप दी है। विपक्ष द्वारा बीजेपी की काफी आलोचना की जा रही है क्योंकि केंद्र में सत्तारूढ़ बीजेपी को इन चुनावी बॉन्ड के जरिए सबसे ज्यादा चंदा मिला है।
इसे लेकर विपक्ष ने बीजेपी और केंद्र सरकार पर हमला बोला है। हालाँकि

नई जानकारी सामने आई है कि सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पहले ही 8,350 चुनावी बांड छपवा लिए थे। माना जा रहा है कि यह जानकारी सूचना के अधिकार के तहत मिली जानकारी से मिली है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा चुनावी बांड योजना को असंवैधानिक बताए जाने से तीन दिन पहले केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने हजारों करोड़ रुपये के चुनावी बांड की छपाई को मंजूरी दी थी। खुलासा हुआ है कि सरकारी प्रिंटिंग कंपनी पहले ही 8,350 बॉन्ड छापकर भारतीय स्टेट बैंक को भेज चुकी है।सरकारी प्रिंटिंग कंपनी को एक-एक करोड़ रुपये के बॉन्ड छापने का ऑर्डर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट द्वारा योजना को बंद करने के आदेश के 15 दिन बाद, वित्त मंत्रालय ने भारतीय स्टेट बैंक को चुनावी बांड की छपाई बंद करने का आदेश दिया।चुनाव बांड योजना की शुरुआत के बाद से कुल 22,217 चुनावी बांड भुनाए गए। बीजेपी को 8,451 करोड़, कांग्रेस को 1,950 करोड़, तृणमूल कांग्रेस को 1,707.81 करोड़ और बीआरएस को 1,407.30 करोड़ रुपये मिले।

एनसीपी ने 5 उम्मीदवारों के नाम का किया ऐलान

अहमदनगर से अजित पवार के वफादार को मैदान में उतारा

मुंबई 30 मार्च 2024 (ए)।महाराष्ट्र में एनसीपी (शरदचंद्र पवार) ने शनिवार को अपनी पहली सूची जारी कर पांच लोकसभा उम्मीदवारों की घोषणा की, जिसमें पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले भी शामिल हैं।
प्रतिष्ठित अहमदनगर निर्वाचन क्षेत्र से ध्यान खींचने वाले उम्मीदवार हैं नीलेश लंके, जो सत्तारूढ़ गठबंधन की सहयोगी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख अजित ए. पवार के वफादार हैं। उन्होंने शनिवार सुबह विधायक पद छोड़ दिया। अन्य मुख्य आकर्षण शिरूर से डॉक्टर

से अभिनेता और नेता बने अमोल आर. कोल्हे हैं, जबकि भास्कर भगारे डिंडोरी से और अमर काले वर्धा से चुनाव लड़ेंगे।एनसीपी (एसपी) की सुप्रिया सुले अपनी 'भाभी' सुनेत्रा पवार (अजित पवार की पत्नी) से बारामती सीट बरकरार रखने के लिए प्रतिष्ठा की लड़ाई लड़ेंगी। प्रतिद्वंद्वी एनसीपी ने सुनेत्रा को बारामती से नामित किया है।

कल से बदल जाएंगे इनकम टैक्स के कई नियम

आयकर विभाग ने इसके लिए ऑफलाइन फॉर्म भी जारी किया है

नई दिल्ली,30 मार्च 2024 (ए)। वित्त वर्ष 2023-24 शुरू होने में सिर्फ दो दिन बचे हैं। आप भी 1 अप्रैल से अपना इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल कर सकते हैं। आयकर विभाग ने इसके लिए ऑफलाइन फॉर्म भी जारी किया है। इस फॉर्म को आप इनकम टैक्स की वेबसाइट से भी डाउनलोड कर सकते हैं। हालांकि अगले महीने की पहली तारीख से इनकम टैक्स से जुड़े नियमों में बड़े बदलाव होंगे। इसके अलावा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने फरवरी में अंतरिम बजट पेश किया था। यानी चुनाव और सरकार बनने तक का बजट, इसे अंतरिम बजट कहा जाता है। सरकार जुलाई में संसद सत्र में पूर्ण बजट पेश करेगी। सरकार टैक्स प्रावधानों में कुछ बदलाव कर सकती है। हालाँकि अब हम उन नियमों के बारे में जानेंगे जो 1 तारीख से बदल जाएंगे।

नई कर व्यवस्था डिफॉल्ट होगी

अगर आप अभी भी पुराने टैक्स सिस्टम के तहत अपना इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल कर रहे हैं तो आपको इसे दाखिल करते समय सावधान रहने की जरूरत है।

अब हर साल आपको अपनी टैक्स व्यवस्था चुननी होगी। अन्यथा नई कर प्रणाली स्वत~ ही चयनित हो जायेगी।

स्टैंडर्ड डिडक्शन का लाभ मिलेगा

अगर आप नई टैक्स व्यवस्था चुनते हैं तो भी आपको स्टैंडर्ड डिडक्शन का लाभ मिलेगा। यानी आपको 50 हजार रुपये की छूट मिलेगी। ऐसा करने से आपकी 7.5 लाख रुपये तक की कमाई टैक्स फ्री हो जाएगी।

टैक्स छूट की सीमा भी बदली

अब नए टैक्स सिस्टम में टैक्स छूट की सीमा बढ़ा दी गई है। करदाता की 3 लाख रुपये तक की आय कर मुक्त होगी। आयकर की धारा 87ए के तहत छूट 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 7 लाख रुपये कर दी गई है। पुराने टैक्स सिस्टम में 2.5 लाख रुपये तक कोई टैक्स नहीं लगता और 5 लाख रुपये तक टैक्स छूट मिलती है।

स्वरूप में परिवर्तन

आयकर विभाग द्वारा दो फॉर्म जारी किये जाते हैं। आईटीआर-1 को आसान और आईटीआर-4 को आसान कहा जाता है। इसमें भी थोड़ा बदलाव किया गया है। अब रिटर्न दाखिल करने वाले को अपने खाते के प्रकार के साथ पिछले वर्ष के सभी बैंक खाते का विवरण बताना होगा। नया सिस्टम डिफॉल्ट हो गया है। आईटीआर-4 के करदाताओं को नई प्रणाली से बाहर निकलने के लिए फॉर्म 10-आईईए दाखिल करना होगा।

बीजेपी ने किया घोषणा पत्र कमेटी का ऐलान

राजनाथ सिंह चुने गए अध्यक्ष

नई दिल्ली,30 मार्च 2024 (ए)। भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिए घोषणा पत्र कमेटी का ऐलान कर

दिया है। कमेटी में कुल 27 मेंबर हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को कमेटी के अध्यक्ष हैं जबकि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण संयोजक होंगी, पीयूष गोयल सह संयोजक बनाए गए। कमेटी में चार राज्यों के सीएम भी शामिल हैं। मध्यप्रदेश के सीएम मोहन यादव, असम सीएम हिमंता बिस्वा सरमा, गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल और छत्तीसगढ़ के विष्णुदेव साय कमेटी का हिस्सा हैं। 27 सदस्यों में राजस्थान से वसुंधराराजे, उत्तर प्रदेश से स्मृति इरानी, केशव प्रसाद मौर्य, तारिक मंसूर और राधामोहन दास अग्रवाल, बिहार से रविशंकर प्रसाद और सुशील मोदी, कर्नाटक से रजीव चंद्रशेखर, महाराष्ट्र से विनोद तावड़े, हरियाणा से ओपी धनखड़, दिल्ली से मनजिंदर सिंह सिरसा और केरल से अनिल अंटोनी को सदस्य बनाया गया है।

भारतीय नौसेना ने दुनिया को फिर दिखाया साहस

लुटेरों के चंगुल से छुड़वाया पोत और 23 पाकिस्तानी नागरिक

नई दिल्ली,30 मार्च 2024 (ए)। भारतीय नौसेना ने एक बार फिर साहस का परिचय देते हुए न केवल ईरानी पोत को लुटेरों के चंगुल से छुड़ाया, बल्कि चालक दल के 23 पाकिस्ै तानी सदस्ै यों को बचा लिया। यह पूरा आपरेशन कई घंटे चला। दरअसल ईरान की अल-कंबर 786 नाम की पोत अरब सागर में मछली पकड़ने गई थी। इसके चालक दलों में 23 पाकिस्ै तानी नागरिक थे, तभी अचानक से समुद्री लुटेरों ने हमला कर शिप को हाइजैक कर लिया। नौसेना द्वारा जारी आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, आईएनएस सुमेधा ने एफवी 'अल कंबर' को रोका और बाद में अभियान में मिसाइल फ्रिगेट आईएनएस त्रिशूल से जुड़ गया। 12 घंटे से अधिक समय तक चले अभियान के बाद समुद्री लुटेरों को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर होना पड़ा। जहाज में करीब नौ समुद्री लुटेरे सवार थे। घटना के दौरान, ईरानी जहाज सोकोट्रा से 90 एनएम दक्षिण पश्चिम में था। भारतीय नौसेना ने कहा कि हम समुद्री सुरक्षा के लिए राष्ट्रीयता की परवाह नहीं करते। हम समुद्री सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

19 अप्रैल से 1 जून तक एग्जिट पोल प्रसारण पर रहेगा प्रतिबंध

नई दिल्ली,30 मार्च 2024 (ए)। भारत निर्वाचन आयोग ने आगामी 19 अप्रैल से 1 जून तक किसी भी तरह के एग्जिट पोल के आयोजन तथा प्रसारण को प्रतिबंधित किया है। आयोग द्वारा इस संबंध में अधिसूचना जारी करते हुए लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के प्रावधानों के तहत इस अवधि के दौरान किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल के आयोजन तथा प्रसारण को प्रतिबंधित किया गया है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अधिसूचना में उल्लेखित है कि लोकसभा निर्वाचन-2024 के दृष्टिगत 19 अप्रैल 2024 को प्रातः 7 बजे से 1 जून 2024 की शाम साढ़े छह बजे तक की अवधि में लोकसभा आम निर्वाचन के संदर्भ में किसी भी तरह के एग्जिट पोल का आयोजन करने तथा प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा इसके परिणाम के प्रकाशन या प्रचार अथवा किसी भी अन्य तरीके से उसका प्रचार-प्रसार करने पर प्रतिबंध होगा।आयोग ने अधिसूचना में यह भी स्पष्ट किया है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126 (1) (ख) के अधीन लोकसभा निर्वाचन-2024 अंतर्गत संबंधित लोकसभा क्षेत्रों में मतदान की समाप्ति के लिए नियत समय पर समाप्त होने वाली 48 घंटों की अवधि के दौरान किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में किसी भी ओपिनियन पोल या किसी अन्य मतदान सर्वेक्षण के परिणामों सहित किसी भी प्रकार के निर्वाचन संबंधी मामले के प्रदर्शन पर प्रतिबंध रहेगा।

मुख्तार अंसारी पैतृक कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक

गाजीपुर,30 मार्च 2024 (ए)। पूर्वांचल के माफिया मुख्तार अंसारी के शव को शनिवार को गाजीपुर जिले के मुहम्मदाबाद स्थित उसके पैतृक कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। इससे पहले उनका जनाजा निकला जिसमें हजारों लोग शामिल हुए।जब जनाजा कब्रिस्तान के अंदर चला गया तो वहां कम से कम पांच हजार लोग मौजूद थे। इसके पहले माफिया मुख्तार अंसारी का जनाजा कब्रिस्तान पहुंचा।
भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मुख्तार के बेटे उमर अंसारी ने खुद हाथ में माइक ले ली और लोगों से पीछे हटने की अपील करते रहे, साथ ही यह सूचना देते रहे कि कब्रिस्तान के अंदर सिर्फ परिवार को जाने की अनुमति है। हालांकि कुछ लोगों ने दीवार फांदने की कोशिश भी की। मुख्तार अंसारी की कब्र

उनके पिता व मां की कब्र के समीप खोदी गई। सुरक्षा के लिहाज से कस्बे में चप्पे-चप्पे पर पुलिस के साथ ही अर्द्धसैनिक बल के जवानों की तैनाती रही। इससे पहले मुख्तार अंसारी का शव एंबुलेंस से भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पहुंचा गाजीपुर पहुंचा। कब्रिस्तान के बाहर पुलिस का सख्त पहरा रहा। समर्थकों ने पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर जनाजे के लिए रास्ता बनाया।ग़ाज़ीपुर में गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी के आवास के बाहर सुबह कुछ देर तक शव को रखा गया। मुख्तार अंसारी का शव भारी पुलिस बल के साथ रात 1:15 बजे पैतृक कस्बा मुहम्मदाबाद के आवास पर पहुंचा। शव आने की सूचना पर हजारों की संख्या में समर्थक जुट गए। सुरक्षा के लिहाज से कस्बे में चप्पे-चप्पे पर पुलिस के साथ ही अर्द्धसैनिक बल के जवानों की तैनाती रही।

ईडी ने दायर की एक और चार्जशीट

नई दिल्ली,30 मार्च 2024 (ए)। प्रवर्तन निदेशालय ने आज दिल्ली जल बोर्ड केस में पहली चार्जशीट दाखिल कर दी है। इसमें एक कंपनी और 4 लोगों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि दिल्ली जल बोर्ड ने ठेका देने में भ्रष्टाचार किया। घूस की रकम आम आदमी पार्टी को इलेक्शन फंड के तौर पर दी गई। 8000 पन्नों की चार्जशीट में 140 पेज ऑपरेटिव पार्ट है। जानकारी के मुताबिक एनबीसीसी के अधिकारी ने जो सर्टिफिकेट जारी किया है उसी के आधार पर एनकेजी कंपनी को टेंडर मिला था। ईडी का दावा है कि एनबीसीसी के रिकॉर्ड में एनकेजी के बारे में कोई जानकारी नहीं है। ईडी ने कहा है कि जगदीश अरोड़ा, अनिल अग्रवाल, तजेंद्र सिंह चार्टेड अकाउंटेड हैं जो जगदीश अरोड़ा का करीबी है। मित्तल एनबीसीसी के अधिकारी हैं।

मित्तल ने एनकेजी कंपनी को फर्जी दस्तावेज मुहैया कराया था। ईडी के मुताबिक दिल्ली जल बोर्ड ने एनकेजी को 38 करोड़ का टेंडर दिया, जिसके 24 करोड़ रुपए पहले जारी किए गए। ईडी के मुताबिक, इस घोटाले में दिल्ली जल बोर्ड के तत्कालीन चीफ इंजीनियर जगदीश अरोड़ा ने यह बात जानते हुए भी कि कंपनी टेक्निकल एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया को पूरा नहीं करती है, ठेके एमएस एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर को दिए थे।

संपादकीय

महिलाओं का प्रतिनिधित्व

आगामी संसदीय चुनाव प्रचार अभियान में महिलाएं केंद्रीय भूमिकाओं में नजर आ रही हैं। हर राजनीतिक दल महिलाओं को लेकर चुनावी वादे कर रहा है जो देश के कुल 96.8 करोड़ मतदाताओं में करीब आधी हैं। सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस लगातार महिला मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए एक किस्म की होड़ में नजर आए हैं।भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने जहां महिलाओं पर केंद्रित व्यापक स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य कार्यक्रमों की शुरुआत की है, वहीं कांग्रेस ने नारी न्याय योजना की पेशकश की है जिसके तहत महिलाओं के बैंक खातों में एक लाख रुपये डाले जाएंगे और केंद्र सरकार की सभी नौकरियों में उन्हें 50 फीसदी आरक्षण दिया जाएगा।ऐसे बढ़ा-चढ़ाकर किए गए वादे किस हद तक पूरे हो सकते हैं यह एक बड़ा सवाल है लेकिन यह देखना विचित्र है कि सभी दल राजनीतिक बयानबाजी में इतने आगे निकल चुके हैं। पिछले वर्ष संसद के विशेष सत्र में 106वां संशोधन अधिनियम पारित होने के बाद यह विषय खासतौर पर विवादास्पद हो गया है। इसे महिला आरक्षण विधेयक के नाम से जाना जाता है जिसके तहत 15 वर्षों तक महिलाओं को संसद में 33 फीसदी आरक्षण देने की बात कही गई है।चूंकि यह प्रावधान परिसीमन के बाद लागू होगा इसलिए सभी राजनीतिक दलों के पास पर्याप्त समय है कि वे इसके लिए अपनी चुनावी सूची तैयार कर सकें। इसके बावजूद राजनीतिक दल महिलाओं के मुद्दों पर दिखावा ही करते हैं और इसकी एक बानगी यह है कि किसी प्रमुख राजनीतिक दल ने अपनी पार्टी उम्मीदवारों की सूची में अब तक महिलाओं को समुचित प्रतिनिधित्व नहीं दिया है।इस होड़ में भाजपा आगे है और 25 मार्च तक उसने जितने उम्मीदवार घोषित किए हैं उनमें 17 फीसदी महिलाएं हैं। अब तक 66 महिला उम्मीदवारों के साथ पार्टी ने लैंगिक आधार पर अपना प्रदर्शन सुधारा है। साल 2014 में उसके 428 उम्मीदवारों में से 38 महिलाएं थीं, 2019 में यह आंकड़ा सुधरकर 436 में से 55 हुआ।कांग्रेस उम्मीदवारों की सूची बताती है कि उसने अब तक 12 फीसदी महिलाओं को टिकट दिया है। सबसे अधिक चकित करने वाली सूची तृणमूल कांग्रेस की है। पार्टी ने पश्चिम बंगाल की 42 सीटों में से 12 पर महिलाओं को उम्मीदवार बनाया है।बहरहाल, कुल मिलाकर भले ही आंकड़े हतोत्साहित करने वाले हों लेकिन ये 2019 के आम चुनाव की तुलना में बेहतर रहने वाले हैं जब कुल प्रत्याशियों में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 9 फीसदी थी। पिछली लोक सभा में 78 महिलाएं चुन कर आई थीं जो कुल सदस्यों का 14.3 फीसदी था। इसके बावजूद यह देश के आम चुनावों के इतिहास में महिलाओं की सबसे बड़ी संख्या थी।चरणबद्ध तरीके से हो रहा स्थिर सुधार उत्साहित करने वाला है लेकिन ये आंकड़े बताते हैं कि महिला आरक्षण कानून लागू होने के बाद राजनीतिक दलों को तेजी से प्रयास करने होंगे। इंटर-पार्लियामेंटरी यूनियन (आईपीयू) के अनुसार फिलहाल भारत संसद में महिलाओं के प्रतिनिधित्व के 26.9 फीसदी के वैश्विक औसत से काफी पीछे है।आईपीयू की संसद में महिलाओं की हिस्सेदारी की ताजा मासिक वैश्विक रैंकिंग में भारत 184 देशों में से 144वें स्थान पर है। कॉर्पोरेट बोर्ड में महिलाओं का प्रतिनिधित्व हालांकि कम है लेकिन इसमें सुधार हुआ है। 2019 के 15 फीसदी के बजाय अब 20 फीसदी महिलाएं कंपनियों के बोर्ड में हैं।परंतु संसद तथा राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी दोगुनी करने के लिए सभी दलों को महिलाओं के प्रतिनिधित्व पर खास ध्यान देना होगा। संसद ने कानून पारित कर दिया है और यह समय आने पर प्रभावी हो जाएगा लेकिन 2024 के लोक सभा चुनाव में इसे लेकर प्रतिबद्धता दर्शाई जा सकती थी।

चीनी रक्षा बजट:भारत को सतर्क रहना होगा

भारत व अमेरिका से लगातार चल रहे तनाव के बीच चीन ने एक बार फिर से अपने रक्षा बजट में भारी भरकम बढ़ोतरी की है।चीन ने 7.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ वर्श 2024 का रक्षा बजट 1.67 ट्रिलियन युआन अर्थात 232 अरब डॉलर कर दिया है। चीनी रक्षा बजट की यह वृद्धि बीते पांच सालों में सबसे ज्यादा है। चीन ने अपने वित्त मंत्रालय की सालाना रिपोर्ट के आधार पर यह दावा किया है कि वह दुनिया में अमेरिका के बाद रक्षा बजट पर सबसे अधिक खर्च करने वाला दूसरा देश है। चीन की विधायिका की वार्षिर्क बैठक के उद्घाटन सत्र में 5 मार्च को आधिकारिक रक्षा बजट के आंकड़े की घोषणा की गई। अनेक विदेशी विशेषज्ञों का मानना है कि यह धनराशि सत्तासीन कम्युनिस्ट पार्टी की सैन्य शाखा पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वारा किए गए खर्च का केवल एक अंश है।232 अरब डॉलर का चीनी रक्षा बजट भारतीय रु पयों में 19.23 लाख करोड़ रु पए से ज्यादा है। चीन की तुलना में भारत का 2024-25 के लिए घोषित रक्षा बजट 621541 करोड़ रु पए है। इस हिसाब से देखा जाए तो चीन का रक्षा बजट भारत के रक्षा बजट से तीन गुना से भी ज्यादा है। चीन ने वर्ष 2023 में भी अपना रक्षा बजट 7.2 फीसद बढ़ाया था। इससे चीन का रक्षा बजट बढ़कर 1550 अरब युआन अर्थात 225 अरब डॉलर तक हो गया था। इससे पहले वर्ष 2022 में चीन ने अपना रक्षा बजट 7.1 फीसद बढ़ाया था।तब यह 1450 अरब युआन था। कुल मिलाकर तथ्य यह है कि चीन अपने रक्षा बजट में पिछले नौ वर्षो से लगातार इजाफा कर रहा है। दरअसल, चीन की योजना यह है कि वह अपनी सेना को विश्व की नम्बर एक सेना बना दे। चीन ने अपना रक्षा बजट ऐसे समय बढ़ाया है जब उसकी अर्थव्यवस्था काफी बुरे दौर से गुजर रही है। चीन इससे पहले भी आर्थिक संकट से घिरा हुआ था, लेकिन इस बार मामला ज्यादा गंभीर दिखाई दे रहा है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग एक परेशानी वाले काल से गुजर रहे हैं। चीन की तेज आार्थिक ग्रोथ में लंबे समय तक वहां की प्रॉपर्टी सेक्टर की विषेश भूमिका रही है, लेकिन इधर काफी समय से प्रॉपर्टी सेक्टर की कुछ कंपनियां दिवालिया हो गई हैं और सरकार इन्हें उबारने के मूड में नहीं है।दूसरी तरफ साल 2024 के लिए

चीन का रक्षा बजट पिछले कई वर्षो में सबसे ज्यादा है। ऐसे में चीन के द्वारा की गई रक्षा बजट की बढ़ोतरी उसके सैन्य इरादों को स्पष्ट करती है। जिनपिंग ने अपनी सेना को वर्ष 2027 तक विस्तरीय सेना बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके अलावा यह भी लक्ष्य निर्धारित है कि चीनी सेना को वर्ष 2035 तक पूरी तरह से अत्याधुनिक बना दिया जाए। इसी वजह से चीन अपना रक्षा बजट लगातार बढ़ा रहा है। दरअसल, राष्ट्रपति जिनपिंग यह नहीं चाहते कि उनके सैनिकों को युद्ध लडने् में अधिक मेहनत करनी पड़े। इसीलिए चीन अत्याधुनिक हथियार, मजबूत थियेटर कमांड, स्टील्थ तकनीक व लड़ाकू तकनीक के क्षेत्र में अधिक पैसा लगा रहा है। इनके विकास के बाद युद्ध में विजय दिलाने का काम लड़ाकू जेट विमान, ऑटोनॉमस हथियार व अत्याधुनिक मिसाइलें कर देंगे।हाल के वर्षो में चीन ने अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने के लिए कई बड़े सैन्य सुधार किए हैं। इन सुधारों के तहत उसने दूसरों देशों में अपने प्रभाव का विस्तार करने के लिए नौसेना और वायुसेना को प्राथमिकता देते हुए उनका विस्तार किया। अब चीन नई रोबोट आर्मी तैयार कर चुका है और इसकी तैनाती भी भारतीय सीमा के नजदीक करनी शुरू कर दी है। चीन अपनी इसी रक्षा नीति पर चलते हुए अमेरिका को पीछे छोड़ता हुआ दुनिया की सबसे बड़ी नौसैन्य ताकत बन रहा है। विगत दो तीन वर्षो में चीनी नौसेना में जितने युद्धपोत और पनडुब्बियां शामिल की गई हैं उतने शायद अमेरिका की नौसेना में न हों। इतने हथियारों की बढ़ोतरी के बाद भी उसकी भूख कम नहीं हुई है। चीन की रक्षा ताकत बढ़ाने वाली यह नीति आने वाले समय में विश्व को नए युद्ध में धकेलने में देर नहीं लगाएगी।इन योजनाओं के पीछे कारण यही है कि चीन का अमेरिका, ताइवान, जापान व भारत के साथ जारी तनाव और हिन्द महासागर व दक्षिण चीन सागर में मिलने वाली चुनौतियों से निपटने में उसका सैन्य पक्ष कमजोर न पड़े। चीन के नीति नियंताओं के मुताबिक सेना को अत्याधुनिक बनाये जाने के फोकस को देखते हुए रक्षा बजट बढ़ाया गया है। चीन अपना दबदबा बढ़ाने के लिए नौसेना की पहुंच को समुद्री क्षेत्रों में फैला रहा है। इस साल के रक्षा बजट का मुख्य जोर नौसेना के विकास पर रहेगा क्योंकि दक्षिण चीन सागर और पूर्वी चीन सागर पर उसके दावे तथा समुद्री आवागमन के लिहाज से इस क्षेत्र में तनाव बढ़ा हुआ है। इसके अलावा एशिया प्रशांत क्षेत्र में अस्थिर सुरक्षा स्थिति को देखते हुए उसको जवाब के तौर पर तैयार होना है। इस तरह यह स्पष्ट हो जाता है कि चीन सैन्य क्षेत्र में दुनिया के शक्तिशाली देशों की तुलना में सबसे ऊपर रहना चाहता है। ऐसी स्थिति में भारत को चीन की रक्षा बढ़ोतरी से सजग रहने की आवश्यकता होगी।

-लक्ष्मी शंकर यादव-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

वरदान बन सकता है आपका ऐसा दान

परोपकारी कायरे को प्रायः केवल अति धनी व्यक्तियों के दान से जोड़ कर ही देखा गया है क्योंकि मान लिया गया है कि उनके पास ही दूसरों के लिए अतिरिक्त धन है। पर परोपकार की एक अन्य समझ को भी समाज में विकसित करना जरूरी है जिसके अंतर्गत उन सभी को कुछ न कुछ निर्धन भाई-बहनों, बच्चों और बुजुगरे की मदद के लिए कहा जाता है जो थोड़ी-सी भी मदद नियमित करने में सक्षम हैं।इस तरह विकासशील देशों के समाज में भी करोड़ों दाताओं को तैयार किया जा सकता है जिससे बहुत सार्थक बदलाव आ सकता है।इस संदर्भ में एक समझ यह बनी है कि जो भी सक्षम हैं, उनसे अधिक नहीं अपनी आय का मात्र दो प्रतिशत हिस्सा नियमित तौर पर दान देने के लिए कहा जाए। यह मुख्य रूप से निर्धन परिवारों को सहायता के लिए दिया जाए हालांकि इसे साथ में पर्यावरण रक्षा जैसे अन्य महत्त्वपूर्ण उद्देश्यों से भी जोड़ा जा सकता है।कुछ लोग कहेंगे कि आय का 2 प्रतिशत हिस्सा तो बहुत कम हुआ। इसे जान-बूझकर ही कम रखा गया है ताकि अधिक से अधिक लोग इसे अपना सकें। यदि कुछ लोग अधिक हिस्सा दे सकें तो इसका स्वागत ही होगा। सौ में से 2 रुपये दान करने का अर्थ यह हुआ कि महीने में 50,000 रुपये आय है वह इसमें से कम से कम 1000 रुपये निर्धनों की भलाई के कायरे के लिए दान कर दें। इसे एक नारे के रूप में व्यक्त किया गया है-सौ में दो, अभी दे दो'। यदि इस तरह कोई व्यक्ति या परिवार प्रति दिन औसतन 30 रुपये भी दे रहा है, तो उसके जीवन में एक नया आयाम जुड़ता है और एक सुकून मिलता है कि चाहे छोटे स्तर पर ही सही, किसी का दुख-दर्द कम करने से वह जुड़ा है।आगे सवाल यह है कि कोई व्यक्ति यह निश्चय कर ले तो फिर दान के लिए बचाए पैसे को खर्च कैसे करे। दान करने वाले व्यक्ति अपने आसपास के किसी भी निर्धन परिवार से जुड़ सकते हैं या निर्धनता कम करने के किसी प्रयास से जुड़ सकते हैं। यदि उन्हें इसमें कोई कठिनाई हो, तो ऐसी किसी भी संस्था में दान कर सकते हैं जो निर्धन वर्ग की सहायता से प्रतिबद्धता से जुड़ी है, जिसकी ईमानदारी सुनिश्चित है और जो पारदर्शी तौर-तरीके अपनाती है। इस तरह 2 प्रतिशत आय का दान देने में सक्षम लोगों की सक्रियता से निर्धन लोगों की सहायता और पर्यावरण रक्षा जैसे कायरे के लिए बहुत-सा धन इस तरह जुटाया जा सकता है। इस तरह बहुत से नये दाता बढ़ेंगे जो निर्धनता कम करने और पर्यावरण रक्षा पर पहले से अधिक ध्यान देना आरंभ करेंगे। इस पर अधिक सोच-विचार भी करेंगे। इस तरह पूरे समाज में संवेदनशीलता बढ़ेगी, सार्थक कायरे के लिए सक्रियता बढ़ेगी। व्यापक स्तर पर देखें तो यह समाज में सादगी और समता बढ़ाने के उद्देश्य से जुड़ी सोच है। सादगी का अर्थ है कि अपनी जीवन परिस्थिति के अनुसार हम अपनी आवश्यकताओं का निर्धारण कर लें और इससे अधिक यदि कुछ हो तो उसका उपयोग जन-हित में करें। सादगी का यह सिद्धांत हमें दूसरों की भलाई

करने के लिए तो प्रेरित करेगा ही, साथ ही कई तरह के नशे, अय्याशी और अन्य बुराइयों से भी बचाएगा। समता के सिद्धांत का अर्थ यह है कि हर व्यक्ति को अपनी बुनियादी जरूरतें पूरी करने का अधिकार है, और समाज के अन्य सदस्यों का कर्त्तव्य है कि गरीब से गरीब व्यक्ति का यह अधिकार उसे मिले।इन दो जीवन-मूल्यों-समता और सादगी-का चोली-दामन का साथ है, दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं, इन्हें अपनाया जाए तो दूसरों का हक छीनने के लिए जो हिंसा होती है न तो वह रहेगी और इस कारण जो विषमता उत्पन्न होती है, वह भी नहीं रहेगी। मनुष्य के अपने अधिकांश दुख एक दूसरे पर आधिपत्य करने की प्रवृत्ति के कारण हैं। मनुष्य के इतिहास में लिंग, जाति, रंग, नस्ल, वर्ग, राष्ट्र आदि के आधार पर दूसरों पर आधिपत्य जमाने के प्रयासों के कारण ही अधिकांश दुख उत्पन्न हुए हैं। आधिपत्य के स्थान पर प्रेमपूर्ण सहअस्तित्व की सोच जब विकसित होगी तभी मनुष्य के दुख व्यापक और टिकाऊ स्तर पर कम होंगे। इतिहास में जब कभी अनेक सुधार आंदोलनों के कारण ऐसा हुआ है, दुखी मानवता को राहत मिली है। प्रकृति के प्रति भी आधिपत्य और विजय की भावना न होकर यह समझ होनी चाहिए कि जहां तक संभव हो प्रकृति के विविध रूपों को कोई नुकसान पंहुचाए बिना, बल्कि उसकी हरियाली को बढ़ाते हुए, अपनी जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ति करें। मनुष्य और मनुष्य के बीच विषमता को जितना हो सके, उतना ही कम किया जाए। सामाजिक स्तर पर लिंग, जाति, रंग, नस्ल आदि पर आधारित भेदभाव समाप्त किया जाना चाहिए। समाज के ऐतिहासिक स्तर के भेदभाव के जो शिकार रहे हैं, उन्हें सामाजिक बराबरी प्राप्त करने के विशेष अवसर मिलने चाहिए। किसी दूसरे के संसाधन या क्षेत्र हड़पने की होड़ न करें अपितु हम सब मिलकर कैसे एक नई दुनिया बनाएं जिसमें मनुष्य और सभी जीवों के दुख-दर्द को कम किया जाए, यही मुख्य उद्देश्य हो। एक मूल्य, जिसे हमारे दिल-दिमाग में गहरा बिठा दिया गया है, है प्रतिस्पर्धा का जीवन-मूल्य। पूरा जीवन जैसे एक दौड़ है जिसमें बहुत कम उम्र में ही हमें जुट जाना है और इतना जुट जाना है कि शायद जवानी से पहले ही हांफने और लस्त-पस्त होने की स्थिति पैदा हो जाए।दूसरी ओर यदि दौड़ न हो, एक दूसरे से स्पर्धा न हो, केवल मिल-जुल कर, सहयोग से कार्य करने की भावना हो तो उसमें सबकी जीत हो सकती है, सभी बिना तनाव के एक दूसरे की सहायता करते हुए, एक दूसरे की क्षमता बढ़ाते हुए कहीं अधिक सार्थक कार्य कर सकते हैं। हमारा मुख्य उददेश्य एक-दूसरे से आगे निकलना न हो, बल्कि दूसरों से सहयोग स्थापित कर सामूहिक भलाई के लिए अधिक कार्य करना हो तो बहुत से तनाव स्वयं दूर हो जाएंगे और समाज के बहुत से रुके पड़े महत्त्वपूर्ण काम भी पूरे होने लगेंगे। आधुनिक जीवन में मनुष्य को बार-बार कहा जाता है कि वह अपनी निहित प्रतिभा को अधिक से अधिक चमकाए, इसी में उसके जीवन की सफलता है पर जरूरत चंद सुपर स्टारों की चमक-दमक की नहीं है। जरूरत इस बात की है कि समाज का हर व्यक्ति अपनी क्षमता के विकास का और इससे भी जरूरी समाज निर्माण में अपने योगदान का कुछ अवसर जरूर प्राप्त करे।

-भारत डोगरा-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

आओ हम स्कूल चले

नव भारत का निर्माण करें।
छूट गया है जो बंधन भव का
आओ मिलकर उसको पार करें,
आओ हम स्कूल चले .....
जाकर स्कूल हम गुरुओं का मान करें
बड़े बूढ़ें का कभी न हम अपमान करें,
आओ हम स्कूल चले.......
जाकर स्कूल हम दिल लगाकर पढ़ेंगे
मौज मस्ती और खेलकूद भी खूब
करेंगे,आओ हम स्कूल चले.......
क ख ग का गान कर हम हिंदी का
मान बढ़ाएंगे। एक दो तीन चार पढ़
कर गणित का ज्ञान भी करेंगे।
आओ हम स्कूल चले.......

डॉ.राजीव डोगरा
कांगड़ा हिमाचल प्रदेश
जनयानकड़
कांगड़ा हिमाचल प्रदेश

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

तूफान की स्थिति

हवा से फाड़ना आने वाले वेद में
तूफ़ान की दिशा बदल रही है
इस तरह दिशा चली गई
तूफ़ान का संकेत
कोई नहीं जानता क्या
लेकिन ...ज्ञात तथ्य यह है...
हवा यहाँ है सिवाय इसके कि यह
तूफानी है...तूफ़ान तो तूफ़ान ही है
अवतार लो और फिर पवन बन जाओ
अति खूबसूरत यह शांत हो जाता है
हाँ....लहसुन की कलियाँ छोड़ दो
पेड़ और इमारतें उखड़ गई
प्यार किया तूफ़ान की स्थिति
यह बात है

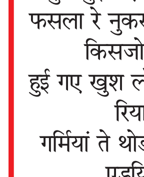

ओत्तेरी सेल्वा कुमार
चेन्नई,
तमिलनाडु

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

कोट कडायिते

एड़ी हुई बरखा मार्च महीने,
ठंडी ने दबारा छुटी गई दनदली,
एनी लगे पौणे गर्मियां आले पसीने,
कोट कडाईते परमात्मे पीं ते, चली
तुफाना री एड़ी सनसनी।
डाल बी ढली गए,
रूड़ी गयियाँ फसलां नमानियां,
खुश हुई गए सारे बरखा ते पर,
फसला रे नुकसाना रियाँ कहानियां
किसजो सुनानियां।
हुई गए खुश लोक देखी के बरखा
रियां फुहारां,
गर्मियां ते थोड़ी ठंड पई चलियां
एड्यिां हवावां,
धरतिया रे डाल बी लगे झूलदे ,
हूण टहनियां खुशियां ने
अपू बिच टकरावां।

कैप्टन(डॉ) जय महलवाल
(अनजान)
बिलासपुर
हिमाचल प्रदेश

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

अरे ये क्या बच्चों जैसा सवाल कर लिया

बहुत अच्छा एक शिर्षक था , पढ़कर अच्छा लगा तो सोचा की आप सभी संग साझा करूं । एक लाईन के माध्यम से यह पूछा गया था कि लोग क्यों मोदी-मोदी या भाजपा-भाजपा कर रहे आखिर क्यों लोगों में मोदी और भाजपा नाम का नशा छा रहा है । आखिर भाजपा ने ऐसा क्या कर दिया की आज भी लोग भाजपा के साथ ही जुड़े रहना चाहते । तब मेरा मन बोला अरे ये भी कोई सवाल है । ये तो बच्चों जैसा सवाल कोई कर बैठा था कोई । इसका उत्तर तो हर एक बालिग बच्चा भी जानता है कि आखिर क्यों लोग इतने दीवाने भाजपा के । ये भी जानते की भाजपा के पुनः जीत निर्वाचित सीट जहाँ-जहाँ से मिलेगी पक्का उस-उस जगह का उद्धार और कायाकल्प तो होना ही है या होके ही रहेगा ।

आज दस सालों से हर राज्य में हर राजनैतिक दल ने चुनाव में खड़े हो देश के लिये कुछ कर गुजरने की ठानी ही है । बड़े-बड़े वादे , गरीबों के साथ नाचना , खाना , उनके घर में बैठना वगैरह-वगैरह ना जाने कितने दिखावे करते हैं । साइकल चलाना , खेतों में हल जोतना जैसे दिखावों से कभी भी कोई भी राजनैतिक पार्टी नहीं जीत सकती चलो जीत भी गई किसी विशेष इक्का-दुक्का क्षेत्र से ही सही , परंतु उस क्षेत्र का उत्थान कहें तो शुन्य या शुन्य से कुछ ही ऊपर रहा तो जनता जनार्दन भोली जरुर है । परंतु अंधी नहीं है आंखें खुली हैं कान खुले हैं,और सोचने समझने हेतु ज्ञान मस्तिष्क तंत्र भी खुले उसे पता है की कौन सही या कौन गलत है कोन कार्य कर रहा या कौन सिर्फ चांदी का चम्मच दिखा वोट बटोर रहा है । सबको ही पता है की जनता जनार्दन सब नोटिस करती है । बड़े-बड़े वादों को तो कर लिया परंतु उन वादों को पूर्ण करने के समय पर ठन-ठन गोपाल बने रहना क्या उचित है । अगर आपको जनता जिस उद्देश्य से चुनी है आप उसी उद्देश्य को परिपूर्ण नहीं करते , आप उनकी कसौटी पर ही खरे नहीं उतरेंगे तो भला आप ही बताइये की आप किस बात के नेता हैं ? सिर्फ कुर्सी और सत्ता की चाह नाम जरूर दिलवा सकती लेकिन विशेष पहचान तो आपकी आपके काम से ही जानी जाएगी ना ।

अब यहाँ मुख्य विषय पर आते हैं कि सवाल किसी ने जो किया था उसका उत्तर क्या है , अरे पहले पुनः सवाल याद करवाती हूँ सवाल ये था की राजनैतिक पार्टी भाजपा के लोग इतने दीवाने क्यों है ? चलिए कारण जानते हैं - कारण यह है की लोग इंसान के व्यक्तित्व , व्यवहार कुशलता , संस्कार, सभी के साथ किये गये आचरण के साथ-साथ , आपके द्वारा किये गये अनगिनत वादों पर भी खुली आंखों से पूरी नज़र बनाए रखते हैं । अगर किये गये दस वादों में से यदि सात वादे भी पूरे कर दिये तो क्या आप सीधे से विराजमान हो जाएंगे जनता के दिलों में और एक महत्वपूर्ण स्थान बना लोगे राजनैतिक की दुनिया में ? तो जवाब बिल्कुल स्पष्ट है हॉ ! यही तो हुआ है और हो रहा है भाजपा के अंतर्गत । सभी अपने व्यवहार कुशलता के कारण अपने-अपने क्षेत्र में एक सम्मानित स्थान बना रहे या यूं कह लीजिए की बना लिया है । कहते हैं घर का वरिष्ठ अगर सुसंस्कारी हो तो वो अपने छोटो को भी अपने व्यवहार कुशलता व संस्कार की गठरी में बॉध के ही रख लेता है । ठीक उसी तरह सबसे सर्वोच्च पद् पर आसीन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की अनगिनत खूबियों की छत्रछाया में रह कर ही हमारे नागपुर के आदरणीय नितिन गडकरी जी , उत्तर प्रदेश के आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी व अन्य सम्मानित भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपनी एक विशेष पहचान बना ली है । लोभ से परे हट बस कुछ कर गुजरने का जुनून ही तो है जो भाजपा को इस भरी भीड़ से एक अलग पहचान दिला बैठा है । मैं किसी भी व्यक्ति विशेष या किसी भी राजनैतिक पक्ष में नहीं हूँ परंतु काम दिखता है , काम ही बोलता है साथ ही इंसान का व्यक्तित्व व्यवहार कुशलता संस्कार स्वयं ही बोलते । यही तो कारण है कि भाजपा के हर एक सदस्य का नाम नहीं काम बोलता है । काम बोलता है तभी तो नाम होता है ।

अब कुछ लोग अगर विरोधी राजनैतिक दल कहूं तो अतिश्योक्ति नहीं होगी , वो दस कमियां जरूर गिनवा देंगे परंतु दस में से सात काम भी किये चलो दस के दस पर खरे नहीं उतरे तो क्या हुआ । देश को पुनः सोने की चिड़ि‌या नाम दिलवाने में वक्त लगेगा पर ये असंभव कार्य नहीं है । भाजपा के रहते मुझे तो नहीं लगता की कोई कार्य असंभव हो । बस वक्त तो लगता है । अरे आपको वो मेरा आलेख याद है अरे वही .. प्यार का पहला ख़त लिखने में वक्त तो लगता है।

चलिए एक नज़र जरा उन कामों पर जो पिछले दस सालों में भारत की समृद्धशाली छवि को उभारने में सभी के समक्ष कामयाब हुए हैं .. जी 20 की बैठकें , राम मंदिर निर्माण जो कल्पना से परे था , उज्जैन मंदिर का कायाकल्प , आवासीय योजना , समृद्ध सड़कों का निर्माण कर राज्यों को जोड़ना , भारत देश में मेट्रो का आना , वंदे भारत ट्रेनों का दौड़ना , जन-धन योजना , राशन , बिजली , पानी आवासीय योजना अन्य न जाने कितने कार्य होंगे जो मुझे तो याद नहीं परंतु गुगल बाबा की शरण में जाके देख के लिखूंगी तो अखबार का पूरा एक पन्ना ही कहीं कम ना पड़ जाए । अब आप ही सोचिए और सवाल पूछने वाले अगर मेरी लिखी बातों को पढ़ किसी भी कोने में रह कर अगर बीजेपी से रूबरू हो रहे हैं तो आशा है की आपको आपके प्रश्न का उत्तर मिल ही गया होगा की लोग आखिर क्यों बीजेपी के दीवाने हैं ..अरे-अरे बीजेपी के नहीं काम के कहें काम के ...वो काम जो लालच को कोसों दूर जाकर जमीन में दफ़न करके देश के हित मे किया गया । मन चाहता है पुनः देश के हित में कार्य करने वाले अब की बार चार सौ से पार नारे पर खरे उतरे और देश को पुनः उस सोने की चिड़िया नामक नाम तक ले जाने का प्रयत्न करें ।

वीना आडवाणी तन्वी
नागपुर,
महाराष्ट्र

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

उच्च शिक्षा का छिपा हुआ प्रभाव

पूरे भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों के परिसरों में, छात्र शिक्षाविदों, परिसर की संस्कृति, पाठ्येतर गतिविधियों, छात्रावास जीवन, छात्र-शिक्षक संबंधों, दोस्ती और अंतरंग संबंधों के बीच एक जटिल संघर्ष से गुजरते हैं। ये जटिल संघर्ष उनके लिए विभिन्न मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों का कारण बन सकते हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों से पता चलता है कि 2011 से 2021 तक छात्र आत्महत्याओं में 70त्न की वृद्धि हुई है। समाचार रिपोर्टों में बताया गया है कि 2019-21 के दौरान भारत में लगभग 35,000 छात्रों ने आत्महत्याओं के कारण अपनी जान गंवाई है, जिसमें 2023 में छात्र आत्महत्याओं की सबसे अधिक संख्या दर्ज की गई है। राष्ट्रव्यापी. ये संख्याएँ एक चिंताजनक सामाजिक प्रवृत्ति को रेखांकित करती हैं। संख्याएँ चिंताजनक हैं और बढ़ती सामाजिक महामारी का संकेत देती हैं।

अत्यधिक प्रतिस्पर्धी माहौल में, शैक्षणिक उपलब्धि अक्सर सफलता का प्राथमिक उपाय बन जाती है, जिससे आत्म-चिंतन या सामुदायिक भागीदारी के लिए बहुत कम अवसर बचता है। छात्र खुद को इस मांग वाले ढांचे के भीतर व्यक्तिगत अस्तित्व पर केंद्रित पाते हैं, जो अक्सर मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों में योगदान देता है। छात्रों के लिए प्रतिस्पर्धी प्रक्षेपवक्र शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश से पहले ही शुरू हो जाता है और कैंपस प्लेसमेंट प्रक्रिया के माध्यम से जारी रहता है, जो संभावित रूप से कई व्यक्तियों के लिए उच्च शिक्षा के समग्र अनुभव से वंचित करता है। भारत में शिक्षा प्रणाली की कल्पना स्वतंत्रता के बाद राष्ट्र-निर्माण के आदर्शों को पोषित करने के लिए की गई थी। यह एक सामूहिक सपना था. हालाँकि, ऊपर उल्लिखित भयावह डेटा इंगित करता है कि छात्र दुर्भाग्य से बढ़ते अलगाव और अमानवीयकरण के कारण आत्महत्या के लिए प्रेरित हो रहे हैं, क्योंकि वे खुद को अपने परिवेश और समुदायों से अलग-थलग पा सकते हैं। यह अलगाव तब उत्पन्न होता है जब व्यक्ति अपनी शैक्षणिक गतिविधियों को व्यापक सामाजिक संदर्भ से कटा हुआ मानते हैं, जिससे वैराग्य और मोहभंग की भावना पैदा होती है।

इस अति-प्रतिस्पर्धी माहौल में, व्यक्तिगत उत्कृष्टता की निरंतर खोज द्वारा प्रतिस्थापित, सहयोग और करुणा ख़त्म हो जाती है। केवल अपने सीवी में दिखाने के लिए किए गए असाइनमेंट, ग्रेड, इंटर्नशिप, स्वयंसेवा, वाद-विवाद, भाषण और पाठ्येतर गतिविधियाँ छात्र मानस पर हावी हो जाती हैं, जो व्यापक सामाजिक चिंताओं पर ग्रहण लगाती हैं। उच्च-भुगतान वाले करियर की खोज एक विलक्षण जुनून बन जाती है, भले ही वे समाज के रोजमर्रा के मुद्दों के बावजूद रहते हों। कई छात्रों के लिए, पारिवारिक आकांक्षाओं का भार शैक्षणिक उपलब्धि के तनाव को बढ़ाता है। सामाजिक अपेक्षाओं और व्यक्तिगत पहचान के रखरखाव को संतुलित करने से आंतरिक संघर्ष पैदा होता है, क्योंकि छात्र परिवार, समुदाय और स्वयं से विभिन्न मांगों को पूरा करते हैं।

उच्च शिक्षा के इस ढांचे के भीतर, विविध सामाजिक पृष्ठभूमि और अनुभवों से आने वाले छात्र विभिन्न आंतरिक और बाहरी तनावों से जूझते हैं, जो उनके करियर की आकांक्षाओं, जीवनशैली और बातचीत के कारण और भी बढ़ जाते हैं। छात्रों के बीच मतभेद उनकी विभिन्न सांस्कृतिक पूंजी, स्थायी विशेषाधिकारों और पिछड़ेपन के माध्यम से परिलक्षित हो सकते हैं। नतीजतन, ये व्यक्ति खुद को प्रणालीगत प्रथाओं में उलझा हुआ पा सकते हैं जो असमानताओं को कायम रखते हैं और प्रगतिशील सामाजिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विकास में बाधा डालते हैं। फिर भी, योग्यतातंत्र का भ्रम सर्वोच्च है, जो इस विश्वास को बढ़ावा देता है कि शैक्षणिक सफलता ही सर्वोपरि है - एक ऐसी कथा जिसने हमेशा संवैधानिक रूप से गारंटीकृत सकारात्मक कार्रवाई के प्रति एक विरोधी दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया है। विशिष्ट उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्रों को अंतरराष्ट्रीय छात्र विनिमय कार्यक्रमों सहित विभिन्न कैंपस पहलों के माध्यम से वैश्विक रुझानों और अवसरों से अवगत कराया जाता है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों के बीच विविधता की संस्कृति और अंतर-सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देना है।

-नीरज मडके, डॉ रजिता वेणुगोपाल, डॉ मोइत्रयी दास-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

CMYK

दुःसाहसी चोरों ने किया पुलिस को चैलेंज

ज्वैलरी दुकान के मालिक के घर चोरी करने वालों ने खाली डब्बे घर के पास फेंके

- संवाददाता -
बतौली,30 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

बतौली में 50 दिन पहले ज्वेलरी दुकान के मलिक के घर हुई चोरी की वारदात में अब एक नया दुस्साहसिक मामला सामने आया है। चोरों ने खुलेआम पुलिस विभाग को चेतावनी देते हुए चोरी किए गए सामानों के खाली डिब्बे घर के ही पास फेंक दिए हैं। अब बतौली पुलिस सहित पुलिस विभाग के आला अधिकारियो ने नए सिरे से मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल बतौली में इस मामले को लेकर चर्चा का बाजार गर्म हो गया है।

बता दें 8-9 फरवरी के दरमियानी रात बतौली में ज्वेलरी दुकान के मालिक के घर में चोरी हो गई थी। इस संबंध में अभी तक पुलिस के हाथ खाली है। लगातार स्पेशल टीम बनाकर पतासाजी की जा रही थी।संदिग्ध लोगों से पूछताछ की जा रही थी। पुलिस ने जल्द कार्रवाई का भरोसा परिवार को दिया था। इसी बीच अब इस मामले में चोरों ने दुस्साहस दिखाते हुए पुलिस को खुले आम चैलेंज किया है। चोरी किए गए सामानों की खाली डिब्बे दुकान मालिक के घर के पास स्थित सरस्वती शिशु मंदिर के प्रांगण में फेंक दिया है। शुक्रवार की देर रात प्रभावित ज्वेलरी दुकान के मालिक मुकेश सोनी को इस बात की जानकारी मोहल्ले वालों से ही फोन पर मिली थी इसके बाद उन्होंने पुलिस को खबर की थी।

गौरतलब है बतौली के देवरी रोड के बरपारा में स्थित मुकेश सोनी के घर पर अज्ञात लोगों ने चोरी की घटना कारित की थी। लगभग 25 लाख रुपए से ज्यादा की चोरी बताई जा रही थी। चार से साढ़े चार लाख रुपए नगद और जेवरातों की चोरी की गई थी। मुकेश सोनी की दुकान बगीचा चौक पर स्थित है। दुकान बंद करने के बाद वे जेवरातों को लाकर घर में रखा करते थे। इसके अलावा बड़े पुत्र के विवाह की तैयारी भी घर में जोर-जोर से चल रही थी, जिस वजह से नगद घर में रखे गए थे। साथ ही तीन गुल्लक भी चोरी चले गए थे। चोरों ने बेखौफ होकर पूरी रात घर की तलाशी की थी। चोरों ने तीन कमरों को खोला था और चोरी की घटना को अंजाम दिया था। काफी सघन रिहाईशी इलाके में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था । इस मामले की छानबीन पुलिस गंभीरता पूर्वक कर रही थी। पुलिस की स्पेशल टीम चोरी के मामलों की पतासाजी के लिए गठित की गई थी। बतौली पुलिस की टीम अलग से संदिग्ध लोगों से पूछताछ कर रही थी। मामले में पूर्व में 20 से 25 लोगों से पूछताछ की गई थी। शनिवार को घर के पास ही खाली डिब्बे मिलने से पुलिस के होश उड़ गए हैं।

थाना प्रभारी चंद्र प्रताप तिवारी ने बताया कि एसडीओपी राजेंद्र मांडवी के अलावा डॉग स्क्वायड की टीम और साइबर अधिकारी डीएसपी पटेल शुक्रवार देर रात ही मौक पर पहुंचे गए थे। लेकिन फिलहाल कोई सफलता नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि अब रायपुर से एफएसएल की स्पेशल टीम आज-कल में पहुंचने वाली है।

रेकी किए जाने का भी संदेह

बतौली के देवरी रोड स्थित मकान से पूरी रात चोरी की घटना की गई। बाहर का कुंदा तोड़ा गया। सिर्फ एक दिन के लिए परिवार घर से बाहर गया हुआ था। रात को वापस नहीं लौटा और उसी दौरान चोरी हो गई। अब खाली डिब्बे मिलने के नए घटनाक्रम ने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर चोर क्या साबित करना चाहते हैं।

पुलिस जल्द चोरों को पकड़े- मुकेश सोनी

ज्वेलरी दुकान के मालिक मुकेश सोनी कहा कि रिहायशी इलाके में चोरों ने इस तरह का साहस दिखाया है। परिवार के लोग भी डरे हुए हैं। 22 अप्रैल को उनके बड़े बेटे का विवाह का कार्यक्रम है, सभी लोग व्यस्त हैं। शुक्रवार सुबह भी वे अंबिकापुर शादी की तैयारी के लिए कुछ सामान खरीदने गए थे और इसी बीच दूसरी बार उनकी अनुपस्थित में यह घटनाक्रम हुआ है। इसका साफ मतलब है कि चोरों का साहस बढ़ा हुआ है। वे पुलिस को चेतावनी दे रहे हैं। मुकेश सोनी ने बताया कि ज्वेलरी के खाली डब्बों के अलावा हैंडबैग जिसमें दुकान से ज्वेलरी का सामान रख कर बेचा जाता है और प्लास्टिक के कुछ डब्बे, झोले, मोबाइल कवर, 100 रु के कुछ गड्डियां जो चोरी गए थे उनके खाली रैपर बचे खुचे मिले हैं।

खेत सिंचाई करने के विवाद पर टांगी से चाचा-भतीजा पर हमला,आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

खेत सिंचाई करने के विवाद पर पड़ोसी ने चाचा-भतीजा व एक अन्य व्यक्ति को टांग से हमला कर घायल कर दिया। तीनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रिपोर्ट पर चौकी रघुनाथपुर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है।

पुलिस के अनुसार भाईदूज नागेश ग्राम चोरकीडीह में रहता है। वह अपने खेत में गन्ना व सरसो का फसल लगाया है। गागर नदी से बिजली पंप लगाकर खेत का सिंचाई करता है। 26 मार्च की शाम को पड़ोसी नारायण यादव भाईदूज के खेत में लगे पाइप को काट दिया था। इस बात को लेकर भाईदूज ने उसे बोला तो वह गुस्से में आकर टांगी से हमला कर दिया। इस दौरान बीच बचाव करने पहुंचा भाईदूज के भतीजा विजय नागेश व पड़ोसी दुले राम को भी टांगी से वह हमला कर जख्मी कर दिया। इससे तीनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। तीनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं भाईदूज के भाई सेटू राम नागेश ने मामले की रिपोर्ट रघुनाथपुर चौकी में दर्ज कराई थी। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी नारायण यादव पिता गोविंद यादव उम्र 35 वर्ष, निवासी चोरकीडीह को गिरफ्तार कर धारा 294, 506, 323, 427, 307 के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

चोरी के चार बाइक के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

कोतवाली पुलिस ने चोरी के बाइक के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चार बाइक जब्त की है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार कोतवाली थाना क्षेत्र के खैरबार निवासी राकेश यादव की बाइक क्रमांक सीजी 15 सीपी 6042 को वर्ष 2021 में बौरीपारा देशी शराब दुकान के पास से हो गई थी। वहीं बााकीपुर थाना गांधीनगर निवासी संतोष राजवाड़े की बाइक क्रमांक सीजी 15 सीएफ 3225 18 मार्च को न्यायालय के बाहर से चोरी हो गई थी। टकेश्वर राजवाड़े निवासी कटोरा की बाइक क्रमांक सीजी 15 सीपी 4185 की बाइक 22 मार्च को गांधी स्टेडियम के पास से चोरी हो गई थी। तीनों मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई गई थी। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही थी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने ग्राम बडगंवा प्रतापपुर निवासी अजय सिंह व ग्राम बिरिमकेला खालपारा, बतौली निवासी अनुप उर्फ बब्लू चौहान को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी के कुल चार बाइक बरामद की गई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

टीएस सिंह देव, अमरजीत भगत, शफी अहमद स्टार प्रचारक में शामिल

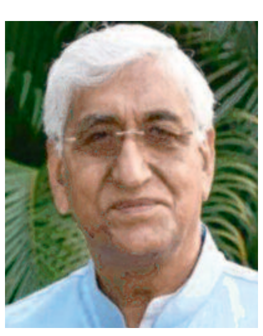

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ में लोक सभा चुनाव के लिये स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है। स्टार प्रचारकों में सरगुजा संभाग से पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह देव, पूर्व मंत्री अमरजीत भगत और श्रम कल्याण मण्डल के पूर्व अध्यक्ष शफी अहमद शामिल हैं। शफी अहमद विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस के स्टार प्रचारक थे। जारी की गई सूची में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, प्रभारी महामंत्री सचिन पायलट, रजनी पाटिल, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, तेलंगाना के मुख्यमंत्री जयवंत रेड्डी, हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खु, पूर्व सीएम भूपेश बघेल, कुमारी शैलजा, दीपा दास मुंशी, रंजीत रंजन, फूलो देवी नेताम, ताम्रध्वज साहू, मोहन मरकाम, अजय सिंह राहुल, वाई एस शर्मिलारेड्डी, राज बब्बर, भक्त चरणदास, इमरान प्रतापगढ़ी, कन्हैया कुमार, जय सिंह अग्रवाल, उमेश पटेल, गुरु रुद्र कुमार, द्वारिकाधीश यादव, सप्तगिरि शंकर उल्का, डॉ चंदन यादव, सप्तगिरि शंकर उल्का, विजय जांगिड़, महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्का लाम्बा, युंका अध्यक्ष बीवी श्रीनिवास,आकाश शर्मा, नीरज पांडे शामिल हैं।

बटवाही व सिलसिला कोल डिपो में खनिज व पुलिस की दबिश

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

कोयले के अवैध करोबार पर नकेल कसने के लिए पुलिस व खनिज विभाग द्वारा कार्रवाई की जा रही है। 29 व 30 मार्च को सरगुजा पुलिस एवं खनिज विभाग द्वारा एक विशेष संयुक्त टीम गठित किया गया था। जिसमें खनिज अधिकारी, पुलिस राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना-चौकी के लगभग 50 पुलिस बल को टीम में शामिल किया गया था। इसके लिए अलग-अलग 6 टीम तैयार की गई थी। संयुक्त टीम द्वारा चौकी रघुनाथपुर क्षेत्रान्तर्गत कोल डिपो हरिओम ट्रेडिंग कम्पनी बटवाही, जय दुर्गा मल्टीट्रेड प्राईवेट लिमिटेड बटवाही, हिन्द युनिट्रेड प्राईवेट लिमिटेड बटवाही, मेसर्स मारूति मिनरल्स बटवाही एवं मेसर्स भारत एनर्जी कोल डिपो सिलसिला का औचक निरीक्षण किया गया। जिसमें ऑनलाईन दर्शित मात्रा के अनुसार भौतिक सत्यापन भी किया गया। जो निर्धारित मापदण्ड व भण्डारण में अनियमितता पाई गई। इसके अलावा वाहनों के ट्रांजिट पास, पर्चियों, रजिस्टरों, मशीनरी एवं गुणवत्ता इत्यादि का भी सत्यापन किया गया। इस दौरान कोल डिपो संचालकों को ऑनलाईन स्टॉक, वाहनों के ट्रांजिट पास, पर्चियों, रजिस्टरों, मशीनरी इत्यादि संधारण व रखरखाव संबंधी हिदायत भी दी गई है। हरिओम ट्रेडिंग कम्पनी बटवाही, जय दुर्गा मल्टीट्रेड प्राईवेट लिमिटेड बटवाही, हिन्द युनिट्रेड प्राईवेट लिमिटेड बटवाही, मेसर्स मारूति मिनरल्स बटवाही एवं मेसर्स भारत एनर्जी कोल डिपो सिलसिला को खनिज विभाग द्वारा पृथक से मौके पर पंचनामा तैयार कर संचालकां को निर्धारित मापदण्ड व भण्डारण में अनियमितता पाये जाने पर नोटिस जारी गई है। खनिज विभाग द्वारा माईनिंग एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

सड़क पर बेतरतीब (अवैध रूप से पार्किंग) खड़ी वाहनों पर की गई व्हील लॉक की कार्यवाही। यातायात व्यवस्था बाधित न हो इसके लिए की जा रही कार्यवाही

सरगुजा पुलिस द्वारा ऑपरेशन विश्वास के तहत् एमव्ही एक्ट की कार्यवाही जारी

- » सड़क पर बेतरतीब (अवैध रूप से पार्किंग) खड़ी वाहनों पर की गई व्हील लॉक की कार्यवाही। यातायात व्यवस्था बाधित न हो इसके लिए की जा रही कार्यवाही
- » ब्लैक फिल्म का प्रयोग करने वाले चालकों पर भी लगातार की जा रही कार्यवाही, इससे असामाजिक तत्व एवं अवैध तस्करी इत्यादि आपराधिक गतिविधियों पर की जायेगी रोकथाम
- » अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों पर कार्यवाही से की जा सकेगी आकस्मिक दुर्घटना की रोकथाम
- » तीन सवारी चालक पर 01 प्रकरण में कार्यवाही कर 500/- रूपये समन शुल्क किया गया वसूल
- » लापरवाहीपूर्वक वाहन चालन में 04 प्रकरण में कार्यवाही कर 8000/- रूपये समन शुल्क किया गया वसूल
- » अवैध रूप से पार्किंग पर 03 प्रकरण में कार्यवाही कर 1500/- रूपये समन शुल्क किया गया वसूल
- » ब्लैक फिल्म का प्रयोग पर 03 प्रकरण में कार्यवाही कर 6000/- रूपये समन शुल्क किया गया वसूल
- » वाहन चलाते समय मोबाईल फोन का प्रयोग पर 01 प्रकरण में कार्यवाही कर 300/- रूपये समन शुल्क किया गया वसूल
- » अन्य प्रकरण में 57 प्रकरण में कार्यवाही कर 30500/- रूपये समन शुल्क किया गया वसूल
- » कुल 69 प्रकरणों में कार्यवाही उपरांत 46800/- रूपये समन शुल्क किया गया वसूल
- » यातायात पुलिस द्वारा की गई सख्त कार्यवाही

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक सरगुजा के निर्देशन पर सरगुजा पुलिस द्वारा ''ऑपरेशन विश्वास'' के तहत् शांतिपूर्ण वातावरण बनाये रखने हेतु यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही लगातार की जा रही है। प्रायः यह देखा जा रहा है, कि शहर के विभिन्न सड़कों, गली व चौक-चौराहों पर अवैध रूप से पार्किंग होने के कारण अधिकांश रूप से ट्रैफिक जाम होने की स्थिति निर्मित हो रही है, जिससे आमजनों को आवागमन करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए यातायात पुलिस द्वारा सड़क पर बेतरतीब (अवैध रूप से पार्किंग) खड़ी वाहनों पर व्हील लॉक के माध्यम से कार्यवाही की जा रही है। इस प्रकार की कार्यवाही होने से ट्रैफिक जाम होने की स्थिति निर्मित नहीं होगी और आमजनों को भी समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसके अलावा आम दुकानदारों से अपील है, कि दुकान के सामने ग्राहकों को व्यवस्थित ढंग से वाहन पार्किंग करने के लिए प्रेरित करें। इसके अलावा ब्लैक फिल्म के प्रयोग करने वाले चालकों पर कार्यवाही करने से निश्चित् रूप से असामाजिक तत्व एवं अवैध तस्करी इत्यादि आपराधिक गतिविधियों पर भी रोकथाम की जा सकेगी।

यातायात पुलिस द्वारा दिनांक 29/03/2024 को ''ऑपरेशन विश्वास'' के तहत तीन सवारी चालन पर 01 प्रकरण में कार्यवाही कर 500/- रूपये समन शुल्क वसूल किया गया है, लापरवाहीपूर्वक वाहन चालन में 04 प्रकरण में कार्यवाही कर 8000/- रूपये समन शुल्क वसूल किया गया है, अवैध रूप से पार्किंग पर 03 प्रकरण में कार्यवाही कर 1500/- रूपये समन शुल्क वसूल किया गया है, ब्लैक फिल्म का प्रयोग पर 03 प्रकरण में कार्यवाही कर 6000/- रूपये समन शुल्क वसूल किया गया है, वाहन चलाते समय मोबाईल फोन का प्रयोग पर 01 प्रकरण में कार्यवाही कर 300/- रूपये समन शुल्क वसूल किया गया है एवं अन्य 57 प्रकरण में कार्यवाही कर 30500/- रूपये समन शुल्क वसूल किया गया है। यातायात सुरक्षा अभियान के तहत् यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले कुल 69 वाहन चालकों पर 46800/- रुपये की चालानी कार्यवाही की गई है।

सरगुजा पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा अभियान के तहत प्रतिदिन कार्यवाही की जायगी, सरगुजा पुलिस आमनागरिकों से अपील करती है, कि यातायात के नियमों का पालन करें एवं स्वयं सुरक्षित रहें तथा अन्य राहगीरों को भी सुरक्षित रखें।

प्राथमिक शाला एवं आंगनबाड़ी के बच्चों को कराया गया न्योता भोज

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

श्री सत्य साई सेवा समिति अंबिकापुर द्वारा मूल वाक्य 'मानव सेवा ही माधव सेवा है' एवं शासन की योजनाओं से प्रभावित होकर विकास खंड अम्बिकापुर, संकुल कंठी के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला एवं आंगनबाड़ी केंद्र कोरवा पारा (ख़ाला) के बच्चों को न्योता भोज कराया गया। शासन द्वारा बच्चों को पौष्टिक आहार दिए जाने वाली योजना में न्योता भोज के रूप में किसी भी व्यक्ति द्वारा किसी भी विद्यालय में ऐसे आयोजन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। जिसमें बच्चों को न्योता भोज कराया गया। इस अवसर पर बच्चों नें सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया जिसका संचालन समिति संयोजक जयेश वर्मा द्वारा किया गया। मृगेंद्र सिंहदेव ने अपने उद्बोधन में बच्चों को माता-पिता की सेवा करने को प्रेरित किया, बच्चों से मीना वर्मा द्वारा पूछे जाने पर भविष्य में पुलिस, शिक्षक, डॉक्टर और सीमा के सैनिक और किसान बनने की इच्छा ज़ाहिर किए। आभार ज्ञापन प्रधान पाठक प्रदीप श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

आयोजन में स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों के साथ-साथ शिक्षकों प्रदीप श्रीवास्तव, बसंती पण्डो संकुल समन्वयक रामजी सिंह शाला एवं आंगनबाड़ी के कर्मचारी कलावती, सोनामती, मीना, बितुलराम, समिति के सदस्यों के साथ मिलकर भोजन किये और अध्ययनरत बच्चों को पाठ्य सामग्री रजिस्टर, पेंसिल रबर, स्केल एवं चॉकलेट, बिस्कुट आदि प्रदान किया गया। इस दौरान बच्चों की माताओं को साड़ी और गांव के अन्य लोगों को कपड़े प्रदान किए गए सभी लोग उपहार पा कर प्रसन्न हुए। इस आयोजन में सत्य साई सेवा समिति अंबिकापुर के रेणुका सैनी, शांति वर्मा, शिप्रा शर्मा, मीना वर्मा, भावना सिंहदेव, रेखा गणेशपुरकर, प्रीती सालुंके, सुशीला श्रीवास्तव, कमलेश सैनी, संजीव गणेशपुरकर, विजय सालुंके शामिल रहे।

निक्की के समर्थकों को लामबंद करने में जुटे बाइडन, एड लॉन्च कर ट्रंप पर साधा निशाना

वाशिंगटन, 30 मार्च 2024। अमेरिका में इस साल राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होना है। इस पद के लिए राष्ट्रपति जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक दूसरे को कड़ी टक्कर देते दिखाई दे रहे हैं। दोनों नेताओं के बीच वार-पलटवार का दौर जारी है। इस बीच, जो बाइडन ने एक चुनावी ऐड वीडियो लॉन्च किया है। इसके जरिए भारतीय-अमेरिकी निक्की हेली के समर्थकों को टारगेट किया गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बाइडन के चुनाव अभियान में लगे वरिष्ठ सदस्यों ने शुक्रवार को न्यूयॉर्क में राष्ट्रीय वित्त समिति की बैठक के दौरान ये ऐड वीडियो लॉन्च किया। इसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी पोस्ट किया गया है। इस ऐड में रिपब्लिकन नेता डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव प्रचार की क्लिप्स को शामिल किया गया है। इसमें ट्रंप 52 वर्षीय हेली को बदनाम कर रहे हैं और पत्रकारों से कह रहे हैं कि उन्हें जीतने के लिए निक्की हेली समर्थकों की जरूरत नहीं है।

इस ऐड में ट्रंप को यह कहते हुए दिखाया जा रहा है कि अगर आपने निक्की हेली को वोट दिया है, तो डोनाल्ड ट्रंप आपका वोट नहीं चाहते। अमेरिका को बचाएं। हमसे जुड़ें। बाइडन के चुनाव प्रचार में लगे लोगों ने बताया कि डिजिटल प्लेटफार्मों पर ऐड के लिए एक मिलियन अमेरिकी डालर से अधिक खर्च किए दा रहा है। ये अभियान तीन सप्ताह तक चलेगा। ये नया ऐड वीडियो मेटा, यूट्यूब, कनेक्टेड टीवी और ऑनलाइन वीडियो सहित डिजिटल प्लेटफॉर्म पर चलेगा।

न्यायपालिका में खुफिया एजेंसियों के हस्तक्षेप पर जांच आयोग को मंजूरी; आर्थिक संकट पर भी बोले शहबाज

इस्लामाबाद, 30 मार्च 2024। न्यायपालिका के काम में खुफिया एजेंसियों के हस्तक्षेप के आरोपों की जांच के लिए पाकिस्तान की कैबिनेट ने आयोग के गठन को मंजूरी दे दी है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश के नेतृत्व में एक जांच आयोग का गठन किया जाएगा। पूर्व मुख्य न्यायाधीश तस्सदुक हुसैन जिलानी की अध्यक्षता वाला आयोग एक पत्र के जरिए न्यायाधीशों द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच करेगा और 60 दिनों में अपनी रिपोर्ट देगा।

26 मार्च को न्यायाधीशों ने लिखा था पत्र

इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) के न्यायाधीश न्यायमूर्ति मोहसिन अख्तर कियानी, न्यायमूर्ति तारिक महमूद जहांगीरी, न्यायमूर्ति बाबर सत्तार, न्यायमूर्ति सरदार इजाज इशाक खान, न्यायमूर्ति अरबाब मुहम्मद ताहिर और न्यायमूर्ति समन फफत इम्तियाज ने 26 मार्च को सर्वोच्च न्यायिक परिषद को पत्र भेजा था। जिसमें न्यायिक मामलों में खुफिया एजेंसियों के कथित हस्तक्षेप पर एक न्यायिक सम्मेलन बुलाने का आग्रह कर रहा है।

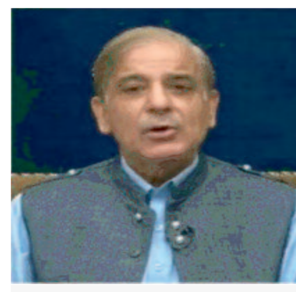

आर्थिक संकट से बाहर निकालने का शहबाज ने लिया संकल्प

पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति को बदलने की प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कसम खाई है। उन्होंने कहा कि सभी मंत्रालयों के साथ पांच साल की योजना के व्यापक मापदंडों को साझा किया है। गौरतलब है कि इस महीने की शुरुआत में 2022 के बाद से चौंका देने वाली आर्थिक और सुरक्षा चुनौतियों के बीच दूसरी बार प्रधान मंत्री के रूप में शपथ ली। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मंत्रालयों को इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए रणनीति बनानी होगी और प्रगति की नियमित समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमें अपने खर्चों में कटौती करनी होगी और देश को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाना होगा।

काजी फैज ईसा- शहबाज शरीफ की हुई थी बैठक

पत्र का जवाब देते हुए पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश काजी फैज ईसा ने 28 मार्च को सुप्रीम कोर्ट में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ एक बैठक के दौरान कहा था कि मामलों में कार्यपालिका द्वारा हस्तक्षेप और न्यायाधीशों के न्यायिक कामकाज को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक में मुख्य न्यायाधीश और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ एक जांच आयोग बनाने पर सहमत हुए थे।

रूस के साथ संबंध बढ़ाने को लेकर बेताब पाकिस्तान

इस बीच, पीएम शहबाज शरीफ ने शनिवार को कहा कि पाकिस्तान रूस के साथ ऊर्जा, व्यापार और निवेश समेत अन्य क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाना चाहता है। प्रधानमंत्री शरीफ ने रूसी संघ के राजदूत अल्बर्ट पी खोरेव के साथ एक बैठक के दौरान, रूसी पक्ष से पाकिस्तान में एक प्रतिनिधिमंडल भेजने का भी आग्रह किया ताकि दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों के मौजूदा स्तर को बढ़ाने के तरीकों की पहचान करने के लिए अपने समकक्षों के साथ चर्चा की जा सके।

शहबाज शरीफ ने इस साल के अंत में रूस द्वारा आयोजित होने वाले रूस-पाकिस्तान अंतर-सरकारी आयोग (आईजीसी) के 9वें सत्र को शीघ्र बुलाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया है। रूसी राजदूत ने प्रधानमंत्री को आश्वासन दिया कि रूस पाकिस्तान के साथ मजबूत संबंध बनाना चाहता है और कहा कि ऊर्जा, व्यापार और निवेश के अलावा, रूस शिक्षा और संस्कृति में भी सहयोग बढ़ाने का इच्छुक है।

एडे शहर की इमारत में कई लोगों को बनाया गया बंधक, डच पुलिस ने आसपास के घरों को कराया खाली

एड,30 माच 2024। नीदरलैंड के एक शहर के हिस्सों को पुलिस ने पूरी तरह से घेर लिया है। पुलिस ने मुताबिक, एक इमारत में शनिवार को कई लोगों को बंधक बनाकर रखा गया है। पुलिस प्रवक्ता साइमन क्लोक ने बताया कि एडे शहर में लोगों को बंधक बनाया जा रहा था, लेकिन उन्होंने घटना के बारे में अधिक जानकारी देने या यह बताने से इनकार कर दिया कि इसमें कितने लोग शामिल थे।

पुलिस ने अभी फिलहाल आतंकवादी मकसद के कोई संकेत नहीं दिए हैं। इससे पहले, अधिकारियों ने एक केंद्रीय चौराहे के पास 150 घरों को खाली करा लिया था। एम्स्टर्डम से 85 किलोमीटर (53 मील) दक्षिण-पूर्व में स्थित एडे में घटनास्थल की तस्वीरों में पुलिस और अग्निशमन कर्मियों को एक घिरे हुए क्षेत्र में सड़कों पर दिखाया गया है। नगर पालिका ने कहा कि एडे के सभी दुकानें पूरी तरह से बंद रहेंगी।

भारत सीमा से सटे नए गांवों में ड्रैगन की नई चाल,तिब्बत पर कब्जे की मनाई 65 वीं वर्षगांठ

बीजिंग, 30 मार्च 2024। चीन अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। भारत की सीमा पर बसाए गए नए गांव में तिब्बत पर कब्जे की 65वीं वर्षगांठ का जश्न चीन ने मनाया है। गौरतलब है कि चीन भारत से सटी सीमाओं पर कई गांवों का निर्माण कर रहा है, जिसकी आड़ में चीन सैनिकों को क्षेत्र में बड़ी संख्या में तैनात किया जा रहा है। चीन ने तिब्बत को जिजैंग नाम दिया है। चीनी सैनिकों ने 1951 में तिब्बत पर कब्जा किया था।

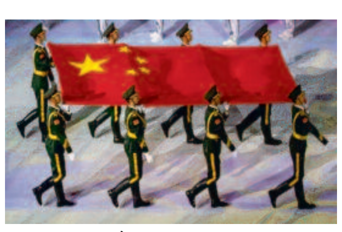

चीन ने तिब्बत पर कब्जे की 65वीं वर्षगांठ का जश्न मनाया

सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन ने पिछले गुरुवार को लोकतांत्रिक सुधार की 65वीं वर्षगांठ मनाई गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, पूरे क्षेत्र में कई भव्य समारोह और स्मारक गतिविधियां आयोजित की गई है। इस दौरान भारत और भूटान की सीमा पर बने नए सीमावर्ती गांवों का जिक्र भी किया है।

चीन लगातार भारत-भूटान सीमा पर बसा रहा नए गांव

पिछले महीने हांगकांग स्थित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, स्थानीय लोगों और सैनिकों को समायोजित करने के लिए नई इमारतों वाले तीन गांवों का निर्माण भूटान के साथ विवादित सीमा पर किया गया था। पोस्ट की रिपोर्ट में कहा गया है कि गांव बेहतर रहने की स्थिति प्रदान करने के लिए चीन की राज्य के नेतृत्व वाली गरीबी उन्मूलन योजना का हिस्सा थे, लेकिन वे राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए गढ़ के रूप में भी दोगुने हो गए। गौरतलब है कि चीन ने अब तक सीमा क्षेत्र में लगभग 624 गांव बनाए हैं।

जिजैंग के नए गांव आधुनिकता से भरपूर- यान जिनहाई

चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी, जिजैंग स्वायत्त क्षेत्रीय समिति के उप सचिव और जिजैंग स्वायत्त क्षेत्र की पीपुल्स सरकार के अध्यक्ष यान जिनहाई ने 100 प्रतिशत ब्रॉडबैंड और 4जी सिग्नल के साथ क्षेत्र की कनेक्टिविटी पर बोलते हुए कहा कि जिजैंग कायम रहेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि नागरिक बंदोबस्त के साथ सेना की तैनाती को संतुलित करने और सीमा सुदृढ़ीकरण और विकास दोनों पर जोर दिया गया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी भोसकर की उपस्थिति में मतदान दलों का प्रथम रेंडमाइजेशन संपन्न

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 30 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

लोकसभा निर्वाचन 2024 के दौरान गठित होने वाले मतदान दलों का शनिवार को पहले चरण का रेंडमाइजेशन सम्पन्न हुआ। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विलास भोसकर की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट के एनआईसी रूम में जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों लुण्ड्रा, अंबिकापुर एवं सीतापुर तथा भटगांव विधानसभा क्षेत्र सहित कुल 786 मतदान केंद्रों के लिए मतदान दलों का ऑनलाइन रेंडमाइजेशन किया गया। इस दौरान रिजर्व दलों और 75 माइक्रो आब्जर्वर के लिए भी रेंडमाइजेशन किया गया है। गौरतलब है कि एक मतदान दल में एक पीठासीन अधिकारी तथा तीन मतदान अधिकारी होते हैं।

उल्लेखनीय है कि हर विधानसभा में 10 महिला प्रबंधित संगवारी मतदान केंद्र, 05 युवा और 01 दिव्यांग प्रबंधित मतदान केंद्र होंगे। इस तरह जिले में कुल 30 महिला प्रबंधित संगवारी मतदान केंद्र, 15 युवा और 03 दिव्यांग प्रबंधित मतदान केंद्र होंगे। निर्वाचन के दौरान मतदान दलों में जिले के 3930 कर्मियों की ड्यूटी लगाई जा रही है।

जिला निर्वाचन अधिकारी श्री भोसकर की मौजूदगी एवं दिशा-निर्देश अनुरूप एनआईसी प्रभारी जियाउर रहमान ने निर्वाचन विभाग के पीपीआरएस सॉफ्टवेयर के माध्यम से प्रथम चरण का रेंडमाइजेशन संपन्न कराया। रेंडमाइजेशन के पश्चात मतदान दलों का प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुनील नायक, जिला पंचायत सीईओ नूतन कंवर एवं निर्वाचन से संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

चार लीटर महुआ शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 30 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

चार लीटर महुआ शराब के साथ उदयपुर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार 29 मार्च को उदयपुर पुलिस पेट्रोलिंग पर निकली थी। इस दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने ग्राम परसा निवासी सुदामा के घर छापेमारी कर 4 लीटर महुआ शराब जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी सुदामा के खिलाफ 34 (1) (क) के तहत कार्रवाई की है।

जंगल में महुआ बीनने गई वृद्धा पर हाथी ने किया हमला,महिला पहुंची अस्पताल

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 30 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम खलिबा में शनिवार की सुबह हाथी ने वृद्धा पर हमला कर दिया। इससे महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वृद्धा गांव के लगभग 8-10 महिलाओं के साथ महुआ बिनने गई थी। जहां इनका हाथियों से सामना हो गया। सभी ने भाग कर अपनी जान बचाई। वहीं वृद्धा को हाथी ने सूढ़ से उठाकर पटक दिया।

जानकारी के अनुसार बिफनी राजवाड़े पति मिठू राम राजवाड़े उम्र 68 वर्ष गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम मेंड्रा माझापारा का रहने वाली है। वह शनिवार की सुबह करीब 6 बजे गांव के करीब 8-10 महिलाओं के साथ महुआ बिनने ग्राम खलिबा जा रही थी। इधर पहले से दो हाथी विचरण कर रहा था। हाथी को देखकर सभी भागने लगे। इस दौरान बिफनी गिर गई और एक हाथी ने उसे सूंढ़ से उठाकर पटक दिया। इसेस महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई और मौके पर बेहोश हो गई। भाग कर अपने गांव पहुंची महिलाओं ने घटना की जानकारी बिफनी के परिजन को दी। परिजन मौके पर पहुंचे और उसे उठाकर घर लाए। इसके बाद उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हाई स्कूल मैदान के बबूल पेड़ में फांसी में झूलती मिली युवक की लाश

- संवाददाता -
लखनपुर, 30 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र में लगातार आत्महत्या के मामले सामने आ रहे हैं। 30 मार्च दिन शनिवार की सुबह ग्राम गनेशपुर हाई स्कूल मैदान के बबूल पेड़ में एक युवक की फांसी पर लटकती लाश मिलने से छेत्र में सनसनी फ़ैल गई है। युवक के शव के कुछ कदम की दूरी पर मोटरसाइकिल भी मिला।ग्रामीणों के द्वारा घटना की सूचना लखनपुर पुलिस को दी गई लखनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और युवक के शव को फंदे से उतरवाकर पंचनामा कार्रवाई कर शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सुपूर्द किया है। मृतक युवक की पहचान संजय राजवाड़े पिता भजन राजवाड़े उम्र 27 वर्ष ग्राम कंठी थाना दरिमा निवासी के रुप में हुई। पुलिस सूत्रों की मानें तो युवक जिस लड़की से विवाह करना चाह रहा था उसके लिए परिजनों ने एतराज जताया था। अंदाजा लगाया जा रहा है कि इसी खुन्नस में आकर युवक ने 29 मार्च दिन शुक्रवार की दरमियानी रात फांसी लगा लिया होगा।

वही दुसरी ओर ग्राम गणेशपुर के हाई स्कूल परिसर स्थित समरसीबल पंप को अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर दिया गया। हाई स्कूल के के शिक्षकों के द्वारा चोरी के संबंध में लखनपुर पुलिस से शिकायत की लखनपुर पुलिस आत्महत्या और चोरी के मामले में जांच कर रही है।

गर्मी के दिनों में भूखे प्यासे छात्र-छात्राओं को प्रतियोगिता में किया गया शामिल

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 30 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर के गांधी स्टेडियम में स्थित इंडोर स्टेडियम में आयोजित ताइक्वांडो प्रतियोगिता में शासकीय स्कूलों के छात्र-छात्राओं को बुलाकर अव्यवस्थाओं के बीच आयोजन करने का मामला सामने आया है, आयोजन को लेकर के परिजनों ने भी आरोप लगाए हैं, दरअसल कलेक्टर एवं जिला मिशन संचालक राजीव गांधी शिक्षा मिशन द्वारा सरगुजा जिले के माध्यमिक शालाओं के छात्राओं को रानी लक्ष्मीवाई आत्मसमर्पण प्रशिक्षण कराया गया जिसमे जिले के करीब 86 माध्यमिक शालाओं के छात्रों ने भाग लिया करीब 30 से 90 दिनों तक प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद सरगुजा जिला किकबॉक्सिंग एसोसिएशन के द्वारा इनडोर स्टेडियम में फाइनल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें करीब ढाई सौ बच्चे उपस्थित हुए, इस प्रतियोगिता में शामिल सभी बच्चों को सुबह से ही बुला लिया गया लेकिन लेकिन इनके नाश्ता व खाने का उचित प्रॉब्लम नहीं किया गया, जबकि बच्चों ने बताया कि नाश्ता और खान के लिए प्रति बच्चों से 100 रूपये भी लिए गए... दोपहर करीब 12 बजे नास्ता मे पोहा दिया गया वही शाम करीब 7 बजे खाना दिया गया, पूरी व्यवस्था को लेकर परिजनों ने भी आयोजन करता की लापरवाही बताई है वहीं पूरे मामले को लेकर के जिला शिक्षा अधिकारी से बात की गई तो उनके द्वारा इस आयोजन को लेकर कोई जानकारी नहीं होना बताया ऐसे में जिला प्रशासन की बड़ी चूक सामने आई है आखिर सरकारी स्कूल के बच्चे किनके भरोसे इस आयोजन में शामिल हुए जिन्हें अवस्थाओं का सामना करना पड़ा सुरक्षा की बड़ी लापरवाही मानी जा रही हैं।

भारत के 6 बेस्ट ट्रेन रूट्स जो छुट्टियों का मजा दोगुना कर देंगे

घर के छोटे बच्चों के एग्जाम खत्म होने वाले हैं और गर्मी की छुट्टियां भी बस आने ही वाली हैं। ऐसे में हर कोई इस उमस भरे मौसम में ठंडाहक लेने और छुट्टियों का लुत्फ उठाने के लिए ट्रिप पर जाना चाहेगा। ऐसे में अगर आप भी अपने परिवार के साथ क्वॉलिटी टाइम एन्जॉय करने जाना चाहते हैं तो क्यों न इस बार ट्रेन का लुत्फ उठाएं। जी हां,भारत में कई ऐसी ट्रेन टिप्स हैं जिनमें आपको गर्मी का अहसास नहीं होगा और आपकी यात्रा यादगार बन जाएगी। तो आइए ऐसे ही कुछ ट्रेन रूट्स के बारे में जानते हैं,जहां गर्मी में फैमिली के साथ जा सकते हैं।

दार्जिलिंग हिमालयन

यह भारत का सबसे पुराना नैरो-गेज रेलवे ट्रैक है और न्यू जलपाईगुड़ी और दार्जिलिंग के बीच चलता है। यह भारत का सबसे ऊंचा रेलवे स्टेशन है और इस ट्रैक का नाम 1999 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर की सूची में शामिल किया गया था। हालांकि यह ट्रेन अब डीजल से भी चलती है लेकिन पहले ट्रेनें भाप से चलती थीं। इस मार्ग पर आपको हिमालय की प्राकृतिक सुंदरता का अनुभव होगा. यह ट्रेन यात्रा हरे-भरे जंगलों और चाय बागानों से पहाड़ी चोटियों के बीच से निकलती है।

कांगड़ा घाटी रेल मार्ग

सुंदर कांगड़ा घाटी रेलवे मार्ग पंजाब के पठानकोट से हिमाचल प्रदेश के जोगिंदर नगर तक फैला है, जिसमें क्रमशः 250 फीट और 1,000 फीट की दो शानदार सुरंगें हैं। इन सुरंगों से गुजरने वाली ट्रेन और आसपास की ग्रीनरी देखकर काफी शांति मिलती है।

कालका से शिमला

हिमालयन क्वीन या शिवालिक एक्सप्रेस ट्रेन नैरो-गेज पहाड़ी मार्ग पर चलती है जो कालका से शुरू होती है और शिमला तक जाती है। इस रेलवे मार्ग की स्थापना भारत की तत्कालीन ग्रीष्मकालीन राजधानी शिमला और शेष भारतीय रेलवे नेटवर्क के बीच संबंध बनाने के लिए की गई थी। यह टॉय ट्रेन चीड़ वाले पेड़ वाली हरी-भरी घाटियों से गुजरती हुई शिमला में समाप्त होती है। इस ट्रैक पर पर्यटकों के मनोरंजन के लिए केवल टॉय ट्रेनें ही चलती हैं। इस मार्ग पर 102 सुरंगों, 87 पुल और 900 मोड़ हैं। इस ट्रेक को यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थलों की लिस्ट में शामिल किया है।

कन्याकुमारी से त्रिवेन्द्रम

अरब सागर,बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर का संगम इस रेल यात्रा में देखा जा सकता है। इस ट्रैक के दौरान बैकवाटर, हरी-भरी हरियाली और स्वादिष्ट दक्षिण भारतीय व्यंजनों के साथ आप इस यात्रा का आनंद ले सकते हैं. सूर्यअस्त समेत कई अद्भुत नजारे इस रेल्वे यात्रा के दौरान देखे जा सकते हैं।

मेट्टुपालयम से ऊटी

दक्षिण की टॉय ट्रेन पर सवार होकर समय और धुंध के बीच से यात्रा करने के साथ-साथ और पहाड़ियों और हरी-भरी घाटियों का आनंद आप इस रेल यात्रा में ले सकते हैं। घुमावदार पहाड़ियां, क्रिस्टल क्लियर पानी वाली झीलें और इस सफर का मजा दोगुना कर देती हैं।

जम्मू से बारामूला

इंडिया का स्वर्ग कहे जाने वाली जम्मू में भी आप ट्रेन का लुत्फ उठा सकते हैं। इसके लिए आपको जम्मू-बारामूला रेलवे रूट की यात्रा का प्लान जरूर बनाना चाहिए। यह उत्तरी भारत के सबसे चुनौतीपूर्ण मार्गों में से एक है और इसे रेलवे पटरियों की मदद से कश्मीर घाटी को भारतीय मुख्य भूमि से जोड़ने के लिए बनाया गया है। इस मार्ग पर 700 से अधिक पुल और कई सुरंगें हैं। यह पहाड़ों से घिरा हुआ है और चिनाब नदी को पार करता हुआ जाता है।

8 संकेत बताते हैं कि आपके शरीर में हो गई है पानी की कमी,जानें क्या करें

अगर शरीर में पानी की कमी हो जाए तो कई तरह की समस्याएं बढ़ जाती हैं। पानी की कमी से यूरिन इंफेक्शन से लेकर कब्ज, इनडाइजेशन, चेहरे पर पिंपल्स तक शुरू हो जाते हैं। इसकी वजह से किडनी पर भी इफेक्ट पड़ता है। डॉक्टरों के मुताबिक, अगर शरीर में पानी की कमी हो जाए तो कई तरह की समस्याएं बढ़ जाती हैं। पानी की कमी से यूरिन इंफेक्शन से लेकर कब्ज,इनडाइजेशन, चेहरे पर पिंपल्स तक शुरू हो जाते हैं।

शरीर को सही ढंग से चलाने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी की जरूरत होती है। पानी की कमी होने पर डिहाइड्रेशन की समस्या हो जाती है.। जिससे कई तरह की प्रॉब्लम्स हो सकती हैं। इसलिए समय-समय पर सही मात्रा में पानी पीते रहना चाहिए। शरीर में पानी की कमी के संकेत पहले ही मिलने लगते हैं। अगर इन लक्षणों को समझ लिया जाए तो समय रहते डिहाइड्रेशन की समस्या को खत्म कर सकते हैं। वरना डॉक्टर के पास जाने तक की नौबत आ सकती है। जानिए शरीर में पानी की कमी के क्या संकेत दिखते हैं।

डॉक्टरों के मुताबिक,अगर शरीर में पानी की कमी हो जाए तो कई तरह की समस्याएं बढ़ जाती हैं। पानी की कमी से यूरिन इंफेक्शन से लेकर कब्ज, इनडाइजेशन, चेहरे पर पिंपल्स तक शुरू हो जाते हैं इसकी वजह से किडनी पर भी इफेक्ट पड़ता है जिससे यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन का खतरा भी कई गुना बढ़ जाता है।

यूरिन का रंग गाढ़ा पीला हो जाता है। पानी की कमी से शरीर में टॉक्सिन बढ़ जाती हैं,जिससे चेहरे पर पिंपल्स निकलने लगते हैं। ड्राई और बेजान स्किन, झुर्रियां भी पानी की कमी के ही संकेत हैं. पानी की कमी जब शरीर में होती है, तब आंखों के नीचे काले घेरे आने लगते हैं।

पानी की कमी से सिर में लगातार दर्द होता रहता है। मांशपेशियों में दर्द, ऐंठन और जकड़न होती है। पानी की कमी से तनाव और चिड़चिड़ापन बढ़ जाता है.शरीर में पानी कम होने से प्राइवेट पार्ट में खुजली या जलन होने लगती है।

अपने साथ पानी की बोतल रखें। इससे बार-बार पानी पीने की हैबिट बनेगी और शरीर में पानी की कमी पूरी होगी. हरी फल और सब्जियां ज्यादा से ज्यादा खाएं. सेब, अंगूर, खरबूजा, तरबूज, खीरा, टमाटर, चुकंदर खाने में शामिल करें।

खुद पर शक करना-निगेटिव बातें करना...कहीं आपको इंपोस्टर सिंड्रोम तो नहीं ? जानें इसके लक्षण और बचने के उपाय

इंपोस्टर सिंड्रोम एक मेंटल हेल्थ प्रोब्लम है, जिसमें व्यक्ति खुद की सफलता और क्षमताओं को ही शक की निगाहों से देखने लगता है। इस अवस्था में इंसान अपना आत्मविश्वास खोने लगता है और काफी नेगेटिव बातें करने लगता है। इंपोस्टर सिंड्रोम से जूझने वाला व्यक्ति आगे चलकर एंग्जाइटी और डिप्रेशन का शिकार भी हो सकता है। इंपोस्टर सिंड्रोम मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी एक ऐसी बीमारी है, जिसे डॉक्टर भी आसानी से नहीं पकड़ पाते हैं। इस मेंटल हेल्थ प्रोब्लम का बुरा प्रभाव व्यक्ति के काम और रिश्तों पर भी पड़ता है।

इंपोस्टर सिंड्रोम से बचने के उपाय

1. अपनी भावनाएं साझा करें- आप कैसा महसूस कर रहे हैं इसके बारे में अन्य लोगों से बात करें। नेगेटिव विचार तब पनपने लगते हैं, जब उन्हें छुपाया जाता है और उनके बारे में बात नहीं की जाती.।

2. दूसरों पर ध्यान दें-दूसरों की मदद करने का प्रयास करें. अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति को देखते हैं, जो अजीब या अकेला लगता है तो उसे समूह में लाने की कोशिश करें। इससे आपके अंदर का कॉन्फिडेंस लेवल बढ़ेगा।

3. अपनी क्षमताओं का आकलन करें-अगर आपको अपनी क्षमताओं पर शक है तो अपनी क्षमताओं का मूल्यांकन करें। अपनी उपलब्धियां लिखें और आप किस चीज में अच्छे हैं इसकी तुलना अपने आत्म-मूल्यांकन से करें।

4. छोटे कदम उठाएं-काम को पूरी तरह से करने पर ध्यान केंद्रित न करें बल्कि उसे सही तरीके से से करें,ऐसा करने से आप इंपोस्टर सिंड्रोम से छुटकारा पा सकते हैं।

5. अपने विचारों पर सवाल उठाएं- जैसे ही आप अपनी क्षमताओं का आकलन करना शुरू करते हैं और छोटे कदम उठाते हैं, तो खुद से सवाल करें कि आपके विचार तर्कसंगत हैं या नहीं।

6. तुलना ना करें-जब आप दूसरों से अपनी तुलना करते हैं तो आप खुद में कुछ दोष पाएंगे, जो आपके अंदर अच्छा ना होने की भावना को बढ़ावा देता है। इसकी जगह बातचीत के दौरान दूसरा व्यक्ति क्या कह रहा है, उसे सुनने पर ध्यान केंद्रित करें और अधिक सीखने में रुचि रखें।

7. सोशल मीडिया का प्रयोग संयमित ढंग से करें- सोशल मीडिया का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल इंसान के अंदर हीनता की भावना को जन्म देता है। इसलिए सोशल मीडिया का उपयोग कम करें. ऐसा करने से आप कई तरह की मेंटल हेल्थ प्रोब्लम से बचे रहेंगे।

8. अपनी भावनाओं से लड़ना बंद करें-अपनी भावनाओं से लड़ने की जगह उन्हें स्वीकार करने का प्रयास करें। जब आप इन भावनाओं को स्वीकार करेंगे, तभी मेंटल हेल्थ प्रोब्लम से छुटकारा पा सकेंगे।

इंपोस्टर सिंड्रोम के लक्षण

1. अपनी योग्यता और कौशल का वास्तविक मूल्यांकन करने में असमर्थ होना।
2. अपनी सफलता का श्रेय बाहरी कारणों को देना।
3. अपनी परफॉर्मेंस से नाखुश रहना और निंदा करना।
4. इंसान के मन में इस बात का डर होना कि वो लोगों की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाएगा।
5. खुद के काम पर ही शक करना।
6. बहुत ज्यादा चुनौतीपूर्ण लक्ष्य निर्धारित करना और चूक जाने पर निराश होना।

जानिए, कैसे बर्फ के टुकड़ों से चुटकियों में साफ हो जाता है गंदे और पीले टॉयलेट पॉट

क्या आपको पता है कि बर्फ के टुकड़ों से गंदे और पीले टॉयलेट पॉट को चुटकियों में साफ किया जा सकता है आइए जानते हैं कैसे अक्सर, घर की सफाई में सबसे ज्यादा मुश्किल होती है टॉयलेट पॉट की सफाई. पानी के कठोर धब्बे, पीलापन और गंदगी न सिर्फ दिखने में बुरे लगते हैं बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक हो सकते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपके फ्रिज में रखे बर्फ के टुकड़े इस समस्या का समाधान कर सकते हैं

बर्फ के टुकड़ों का उपयोग

सबसे पहले, कुछ बर्फ के टुकड़ों को टॉयलेट पॉट में डालें। बर्फ का ठंडा तापमान पानी के कठोर धब्बों को तोड़ने में मदद करता है।

वेट करें

इसके बाद, करीब 30 मिनट तक इंतजार करें। इस दौरान बर्फ पिघलकर पॉट के किनारों पर जमे गंदगी और कठोर धब्बों को हटाने में मदद करेगी।

ब्रशिंग

30 मिनट बाद, एक टॉयलेट ब्रश का उपयोग करके हल्के से रगड़ें। आप देखेंगे कि धब्बे और गंदगी आसानी से साफ हो जाएंगे।

फ्लश करें

अंत में, पॉट को अच्छे से फ्लश करें। इससे सारी गंदगी और धब्बे बह जाएंगे, और आपका टॉयलेट पॉट नए जैसा चमकने लगेगा। बर्फ के टुकड़े जब पिघलते हैं,तो इससे उत्पन्न होने वाला पानी धीरे-धीरे गंदगी को भिगोता है और उसे हटाने में मदद करता है। यह प्रक्रिया बिना किसी रासायनिक सफाई के गंदगी को साफ करने में सहायक होती है।

नाश्ते में घर पर बनाएं पिज्जा टोस्ट,खाकर बच्चे हो जाएंगे खुश

बच्चों के लिए नाश्ते में क्या बनाएं यह सोचना बेहद मुश्किल काम है। हर रोज उनकी नई फरमाइश होती है, जिन्हें पूरी करना मुश्किल होता है। इस लिए हम आपको एक ऐसी डिश के बारे में बताने वाले हैं, जिसे आप बेहद आसानी से बना सकते हैं। हम बात कर रहे हैं पिज्जा टोस्ट की। जानें घर पर पिज्जा टोस्ट बनाने की आसान रेसिपी।

सामग्री- 1 कप चीज 1/2 कप शिमला मिर्च (हरी मिर्च) 1/4 कप टमाटर मिर्च सॉस टमाटर 1 प्याज 1 हरी मिर्च 5 ब्रेड स्लाइस नमक स्वादानुसार।

विधि- सबसे पहले सब्जियों को धो लें और छोटे टुकड़ों में काट लें। ब्रेड को नॉन-स्टिक पैन पर हल्का टोस्ट करें। एक बार जब ब्रेड टोस्ट हो जाए, तो स्लाइस के ऊपर कुछ सॉस फैलाएं। पनीर की परत लगाएं और सब्जियां डालें और मसाले छिड़कें। अंत में, नमक के साथ चीज और ऑरीगानो डालें। बाकी स्लाइस के साथ दोहराएं और बेक करें। पिज्जा टोस्ट तैयार है।

क्या एमसीबी लोक निर्माण विभाग में पदस्थ एक एसडीओ के भ्रष्ट आचरण से पूरा कार्यालय हुआ परेशान?

कार्यालय में अन्य अधिकारी कर्मचारी हो गए हैं इनके नकारात्मक व्यवहार से परेशान व निर्माण कार्य हो रहा प्रभावित,ठेकेदारों से उगाही बनी चर्चा का विषय

एसडीओ के अड़ियल रवैया से बढ़ी परेशानी... उनको हटाए जाने की उठ रही है मांग

-रवि सिंह-
मनेन्द्रगढ़ 30 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

एमसीबी जिले में लोक निर्माण विभाग के मुख्यालय में एक भ्रष्ट एसडीओ ने जमकर उत्पाद मचा रखा है बताया जाता है यह एसडीओ अपनी मनमानी और भ्रष्ट आचरण के कारण पिछ्ले कई महीनो से पूरे कार्यालय सहित अधीनस्थ इंजिनियर,केयरटेकर एवम ठेकेदारों से हर मामले में अपनी ईमानदारी का परचम लहरा कर रात के अंधेरे में धड़ल्ले से उगाही कर रहा है,..वही यह भी खबर है कि अपने अधीनस्थ कर्मचारी लिपि को देर रात तक अपने साथ विभिन्न होटलों के मय खानों

बैठ रहा, पान ठेलों में रात मध्य रात्रि तक देखा जा सकता है कई कर्मचारी जब इस बात का विरोध करते हैं तो इसके द्वारा विभाग के उच्च अधिकारी मुख्य अभियंता प्रमुख अभियंता से मधुर संबंध होने का हवाला देकर धमकता है की 2 मिनट में तुम्हें सस्पेंड करवा दूंगा या स्थानांतरण करवा दूंगा इसकी वॉइस रिकॉर्डिंग भी कई कर्मचारियों के पास मौजूद है जो आगामी समय आवश्यकता के अनुरूप उजागर की जाएगी।सूत्रों का कहना है की अभियंता पिछ्ले चार-पांच वर्षों से इसी क्षेत्र में कार्यरत है यह इससे पहले नेशनल हाईवे में भी इसी क्षेत्र में कार्य करता आ रहा है नेशनल हाईवे में इसकी मनमानी चरम पर थी बड़े पैमाने में इसके द्वारा भ्रष्टाचार किया गया था, जिसकी शिकायत होने पर भी अभी तक किसी तरह की कार्यवाही इसके ऊपर नहीं की जा सकी है यही कारण है कि इसके हौसले बुलंद है और यह पूरे क्षेत्र में विकास का अवरोधक बना बैठा है, एक तरफ जहां प्रदेशनित भाजपा सरकार की प्रथम मंशा यह है कि आमजन को बुनियादी सुविधाएं जैसे सड़क भवन नाली सहित अन्य निर्माण का लाभ अंतिम पंक्ति में बैठे नागरिक को मिले...लेकिन सरकार की मंशा के विपरीत यह भ्रष्ट एसडीओ विभाग की तरफ से किया जा रहे सभी निर्माण के मामले में अड़ंगा लगाकर कार्यों को बंधित कर अपनी मनमानी पर उतारू है जिसको लेकर लोक निर्माण विभाग के सभी निर्माण कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

विवादित कार्यशैली के लिए चर्चित है एसडीओ

उल्लेखनीय रहे की जिले के शहरी क्षेत्र में निर्माण से संबंधित किसी भी कार्य को जिम्मेदारी पूर्वक निर्माण करने और बुनियादी सुविधाओं से आमजन को राहत मिले इस उद्देश्य से लोक निर्माण विभाग बनाया गया है लेकिन सरकार की इस मंशा के विपरीत एक नकारात्मक किस्म के अधिकारी की पदस्थापना के बाद राज्य सरकार की मंशा पर पानी फिरता दिख रहा है, अपनी विवादित कार्यशैली के लिए चर्चित एक एसडीओ कि जब से नेशनल हाईवे से पीडब्ल्यूडी में प्रतिनियुक्ति कराने के बाद दादागिरी पर उतर आया है, भ्रष्ट आचरण व विवादित कार्य शैली से पूरा कार्यालय अस्त व्यस्त हो चला है दबी जुबान में वहां के कर्मचारी भी इससे परेशान हो गए हैं ऑफिस में किसी भी कर्मचारी से अच्छा व्यवहार नहीं करता इसके चिड़चिड़ा व्यवहार इसकी तीखी बातों से कर्मचारी वर्ग बड़े रुष्ट बताए जाते हैं, उसके अधीनस्थ इंजीनियर भी काफी परेशान हो चले हैं नाम न छापने की शर्त पर एक इंजीनियर ने बताया कि आम जनता और जन प्रतिनिधियों के बीच यह एस डी ओ काफी इमानदार बनता है लेकिन हम सबसे सभी निर्माण कार्यों के एवज में कमीशन की मांग करता है ठेकेदारों से भी अपने ईमान दार होने का राग अलपता है सभी इंजीनियर और टाइम कीपर रहते हैं कि जब हमें ठेकेदार पैसा देगा नहीं तो हम क्या अपने वेतन से उसको भुगतान करेंगे? जिसको लेकर आए दिन लोक निर्माण विभाग के स्थानीय कार्यालय में विवाद की स्थिति उत्पन्न हो रही है आए दिन विवाद होने से दफ़्तर के सभी कार्य प्रभावित हो रहे हैं पूरा दफ्तर तनाव ग्रस्त है।

ठेकेदारों और कर्मचारियों पर एसडीओ का अवैध दबाव

विकास कार्य में रोड़ा बन बैठा यह एसडीओ अपने भ्रष्ट आचरण को सुधारने में पूरी तरह से नाकाम दिख रहा है और लगातार ठेकेदारों और कर्मचारियों को दबाकर अपनी मनमानी करवाने का प्रयास करता रहता है, ठेकेदार ने नाम ना छापने की शर्त पर बताया कि साहब अपने आप को ईमानदार होने की तो बात करते है, प्रभु की बातें करते है पर उनकी बातें फर्जी है वही जब हमारी निर्माण से संबंधित फाइलों में हस्ताक्षर करना होता है तो महीनो अनावश्यक कमियां निकाल कर हम सभी को हमेशा घूमाते है वही कार्यालय में पदस्थ एक बाबू के माध्यम से फिर अपना परसेंटेज मांगता है ठेकेदारो का कहेना है कि यदि इनको परसेंटेज लेना ही है तो पहले ही बता दें हम सबको मैनेज करते हैं और करते भी आ रहे है..इन्हें भी मैनेज करेंगे लेकिन महीनो हमारी फाइलों में कमी निकाल कर और परेशान कर फिर कमीशन की मांग करना कहां तक उचित है,नव निर्मित उक्त जिले में नया भारत निर्माण में अपनी अमूल्य भूमिका निभाने वाले इंजीनियर और ठेकेदारों ने उक्त एसडीओ के तत्काल स्थानांतरण की मांग की है ताकि सरकार द्वारा प्रदत सभी योजनाओं का सफलतापूर्वक क्रियानवन हो सके.. एवम आमजन को शासन द्वारा प्रदत्त नव निर्माण कार्यों का लाभ अधिक से अधिक मिल सके।

मोटर सायकिल चोर गिरोह के 06 आरोपियों पर पुलिस ने की कार्यवाही

-संवाददाता-
कोरबा,30 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

जिला पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी (भा.पु.से.) के निर्देशन एंव अति0 पुलिस अधीक्षक कोरबा यू.बी.एस चौहान (रा.पु.से.), नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा (रा.पु.से.) भूषण एक्का कोरबा के मार्गदर्शन पर थाना क्षेत्रांतर्गत मोटर सायकिल चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु निर्देश प्राप्त होने पर निरीक्षक कृष्ण कुमार वर्मा थाना प्रभारी उरगा के नेतृत्व में लगातार पेट्रोलिंग कर कार्यवाही की जा रहीं है। इसी कड़ी में उरगा पुलिस के द्वारा दिनांक 31.01.2024 को प्रार्थी दीनानाथ सिंह आयाम पिता अर्जुन सिंह आयाम उम्र 26 वर्ष सा0 लैंगा थाना पसान का थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 30.01.2024 को वह अपने दोस्त दिक्षगंत भारद्वाज के विवाह कार्यक्रम में सम्मिलित होने अपनी मोटर सायकल CG-12-AX-9635 अपाचे से देवरमाल गया था। अपनी मोटर सायकल को घर के सामने मेन गेट के सामने पार्क किया था, सुबह आकर देखा तो मोटर सायकल वहाँ नहीं थी कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया कि रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 41/24 धारा 379 भादवि कायम कर पता तलाश में लिया गया। पतासाजी के दौरान दिनांक 28.03.2024 को मुखबिर से सूचना मिला कि मोहनपुर बरीडीह निवासी दीपक कुमार कुर्रे पिता कौशल प्रसाद कुर्रे एक लाल रंग की अपाचे मोटरसाइकिल बेचने के फिराक में ग्राहक तलाश रहा है कि सूचना पर घेराबंदी कर आरोपी दीपक कुमार कुर्रे को पकड़कर पुछताछ कर मेमोरेण्डम कथन लिया गया जिसके द्वारा अपने अन्य साथीयों के साथ मिलकर उरगा क्षेत्र व उसके आस-पास के क्षेत्रों में मोटर सायकल चोरी करते थे। जिसे बिट्टू उर्फ विकल कुमार मांझी बेचने के लिए अपने पास रख लेता था। आरोपी दीपक रात्रे के निशान देही पर एक लाल रंग की अपाचे मोटर सायकल कमांक CG-12-AX-9635 बरामद किया गया। आरोपी के बताये अनुसार अन्य आरोपी करण वैष्णव पिता ब्रह्मानंद वैष्णव, राकेश कुमार रात्रे पिता फिरत राम रात्रे, कन्हैया यादव पिता शिव कुमार यादव व दुबराज लहरे पिता महावीर लहरे को पकड़ कर पूछताछ करने पर 01 वर्ष से उरगा क्षेत्र व आस-पास के क्षेत्रों से मोटर सायकल चोरी करना बताये। आरोपियों के निशानदेही पर कुल 12 नग मोटरसाइकिल बरामद कर जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया। जप्त किये 12 नग मोटर सायकल में से थाना उरगा क्षेत्र चोरी गए 02 मोटर सायकल को थाना उरगा के अपराध क्रमांक 198/23 व 41/24 धारा 379 भादवि में जप्त किया गया है। शेष 10 मोटर सायकल को धारा 102 जा0फौ0 के तहत कार्यवाही किया गया।

सूरजपुर पुलिस ने मोटर सायकल चोरी का किया खुलासा

-सवाददाता-
प्रतापपुर,30 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

थाना प्रतापपुर के अप.क्र. 96/24 धारा 379 भादस में चोरी हुए मोटर सायकल एवं अज्ञात चोर के पतासाजसा विवेचना हेतु रवाना हुआ था जो विवेचना दौरान मुखबीर से सूचना मिला कि ग्राम मुरका निवासी दिल मोहम्मद जो ग्राम पडिपा में एक हिसे एफएफ डिलक्स मोटर सायकल रखकर मोटर सायकल को बेंचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा है. कि सूचना पर हमराह स्टाप को लेकर ग्राम पोडिपा पहुंचकर संदेही दिल मोहम्मद को एक हिरो एफएफ डिलक्स मोटर सायकल रखकर उसे बिक्री करने हेतु ग्राहक तलाशते पकड़कर पूछताछ करने हुए मेमोरण्डम कथन लिया गया वह दिनांक 22.03.2024 दिन शुक्रवार को प्रतापपुर किराना दुकान के सामने बिना लॉक किये खडे एक हीरो एफएफ डिलक्स मोटर सायकल क्र. सीजी 15 सीएक्स 4922 को अपने साथ लाये चाभी में घालू कर चोरी करके अपने साथ ले गया था जिसे बेचने के लिए आज ग्राम पडिपा तरफ ग्राहक खोजन आया था। इससे पहले करीब एक डेढ वर्ष से अभी तक प्रतापपुर क्षेत्र से टीव्हीएस स्टार मोटर सायकल 01 नग, हीरो एचएफ डिलक्स मोटर सायकल 05 नग, हिरो स्पलेण्डर प्लस मोटर सायकल 03 नग, बुलेट मोटर सायकल 01 नग, हीरो पैसन प्रो मोटर सायकल 01 नग कुल 11 नग, बरियों से हीरो स्पलेण्डर मोटर सायकल 01 नग एवं एचएफ डिलक्स

मोटर सायकल 01 नग कुल 02 नग, अम्बिकापुर से हीरो स्पलेण्डर मोटर सायकल 03 नग, होण्डा साईन मोटर सायकल 01 नग, बजाज डिस्कव्हर मोटर सायकल 01, 01 नग बजाज पल्सर मोटरसायकल कुल 06 नग, शंकरगढ से होण्डा ड्रीम योगा मोटर सायकल 01 नग चोरी किया हूं। राजपुर से हिरो एफएफ डिलक्स मोटर सायकल 03 नग, बलरामपुर से बजाज डिस्कव्हर मोटर सायकल 01 नग तथा वाड्रफनगर से हीरो होण्डा सीडी डॉन मोटर सायकल 01 नग कुल कुल 26 नग मोटर सायकल चोरी किया है, चोरी किये गये मोटर सायकलों में से 01 टीव्हीएस स्टार, 01 एफएफ डिलक्स, 01 होण्डा ड्रिम योगा, 03 हिरो स्पलेण्डर व 02 बजाज डिसकव्हर कुल 08 नग मोटर सायकल को ग्राम लालमाटी डवरा-कोचली निवासी अपने साथी संजय देवांगन को, 01 हिरो स्पलेण्डर, 03 एफएफ डिलकस कुल 04 नग मोटर सायकल को घोरघड़ी राजपुर निवासी अपने साथी अरबाज खान को, 01 नग हीरो एचएफ डिलक्स मोटर सायकल बभनी निवासी तसरीफ खान को, 01 हिरो पैसन प्रो एवं 01 हीरो स्पलेण्डर कुल 02 नग मोटर सायकल इमरान खान बिशुनपुरा वाड्रफनगर को तथा 02 नग हिरो एचएफ डिलक्स मोटर सायकल को महेवा रामनगर निवासी मशी आलम के पास चार-चार, पांच-पांच हजार रुपये में बेच दिया है। शेष 01 नग बुलेट, 03 नग हिरो सीडी डिलक्स, 01 नग होण्डा साईन. 01 हिरो होण्डा सीडी डॉन 02 नग स्पेलेण्डर 01 नग बजाज पल्सर कुल 09 नग मोटर सायकल को बेचने के लिए अपने घर में छुपाकर रखा हूं। बुटेल मोटर सायकल को करीब 8-9 महिना पहले रात में अपने साथी संजय देवांगन तथा अरबाज खान के साथ चोरी किये गये डिसकव्हर मोटर सायकल से रात में प्रतापपुर आकर बस स्टैण्ड के पास से चोरी कर ले गया था। अपने पास रखे मोटर सायकल तथा चाभी का गुच्छा को बरामद करा देना बताया। दिल मोहम्मद के मेमोरण्डम कथन के आधार पर अप. क्र. 96/24 धारा 379 भादसं. में चोरी हुए हिरो एफएफ डिलक्स मोटर सायकल को मौके पर एवं शेष 01 नग बुलेट, 02 नग हिरो एचएफ डिलक्स, 01 नग होण्डा साईन, 01 हिरो होण्डा सीडी डॉन 02 नग स्पेलेण्डर 01 नग बजाज पल्सर कुल 08 नग मोटर सायकल को निकाल कर पेश किया जिसे नोटिस देकर उपरोक्त मोटर सायकलों का वैधानिक दस्तावेज चाहा गया जो कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने से मोटर सायकल चोरी की सम्पति होने की पूर्ण अंदेशा पर सभी मोटर सायकल को धारा- 41 (1-4) जॉ. फौ./379 भादसं. में जप्त किया गया। बाद दिल मोहम्मद के मेमोरण्डम कथन के आधार पर ग्राम राजपुर घोरघड़ी जाकर खरीददार अरबाज आ0 रजबअली जाति मुसलमान उम्र 23 वर्ष सा0 घोरगड़ी राजपुर, थाना- राजपुर जिला बलरामपुर छ.ग. को पकड़कर पूछताछ कर मेमोरण्डम कथन के आधार पर अधिक दाम पर बेंचने के लिए खरीदे गये चोरी के 01 हिरो स्पलेण्डर, 03 एफएफ डिलक्स कुल 04 नग मोटर सायकल को जप्त किया गया, प्रकरण में धारा 411 भादसं. जोड़ी गई। बाद ग्राम लालमाटी कोचली चौकी डवरा थाना पस्ता जाकर खरीददार संजय कुमार देवांगन आ0 श्री रामकिशुन देवांगन, जाति पनिका, उम्र 27 वर्ष सा0 डवरा, थानापस्ता, हा0मु0 ग्राम लालमाटी कोचली, चौकी डवरा, थाना- पस्ता, जिला बलरामपुर (छ.ग.) को पकड़कर पूछताछ कर मेमोरण्डम कथन के आधार पर अधिक दाम पर बेंचने के लिए खरीदे गये चोरी के 01 टीव्हीएस स्टार, 01 एफएफ डिलक्स, 01 होण्डा ड्रिम योगा, 03 हिरो स्पलेण्डर व 02 बजाज डिसकव्हर कुल 08 नग मोटर सायकल जप्त किया गया। बाद रवाना होकर ग्राम रामपुर चौकी वाड्रफनगर पहुंचकर संदेही खरीददार मसी आलम एवं बिशुनपुरा वाड्रफनगर जाकर संदेही खरीददार इमरान खान की पतासाजी किया गया जो अपने-अपने सकुनत पर उपस्थित नहीं मिले। बाद बरहोर बभनी उ0प्र0 जाकर संदेही खरीददार मो. तसरीफ शाह आ. रज्जाक शाह उम्र 35 वर्ष से पूछताछ कर मेमोरण्डम कथन के आधार पर 01 हीरो एचएफ डिलक्स मोटर सायकल को जप्त कराया। तीनों खरीददारों को पृथक-पृथक नोटिस देकर उनके पास से जप्त मोटर सायकलों का वैधानिक दस्तावेज चाहा गया जो कोई वैधानिक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किये, सभी जप्त सभी 22 मोटर सायकलों कीमती 12 लाख 25 हजार रूपये को जप्त किया गया जिसमें महत्वपूर्ण भूमिका थाना प्रभारी निरीक्षण लक्ष्मण सिंह धुर्वे प्रधान आरक्षक रजनीश त्रिपाठी रविशंकर चौबे, रामाधीन श्यामले, मनोज केरकेट्टा, आनंद प्रकाश एक्का आरक्षक इन्द्रजित सिंहं, राजेश तिवारी, भीमेश सिंह आर्मी, महेश्वर सिंह, विरेन्द्र कुजूर शशिकांत मिश्रा निशांत टोप्पों अवधेश कुशवाहा, राकेश यादव मंगलेश्वर राजू एक्का का योगदान रहा।

5 अप्रैल को रिलीज होगी मेरी मां कर्मा

-संवाददाता-
कोरबा,30 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

हमारे देश में जितना पॉपुलर बॉलीवुड सिनेमा का कल्चर है, उतना ही पॉपुलर रीजनल (क्षेत्रीय) सिनेमा का है। इन दिनों रीजनल सिनेमा एक बार फिर दर्शकों के बीच अपनी पकड़ बना रहा है। ऐसे में इसी को आगे बढ़ाने के लिए पॉपकॉर्न फिल्म्स 5 अप्रैल को सिनेमाघरों में फिल्म मेरी मां कर्मा लेकर आ रहे हैं। यह एक पूर्ण पारिवारिक-एंटरटेनर फिल्म है। इस फिल्म को देखते हुए आपको जितना मजा आएगा, उतना ही रोना भी आएगा। इसके साथ ही मेरी मां कर्मा की कहानी से आपको मोटिवेशन मिलेगा। उक्त बात आज प्रेस क्लब के तिलक भवन में प्रेस वार्ता के दौरान फिल्म के डायरेक्टर कौस्टेन साहू, नायक शील वर्मा व नायिका कुकी स्वाइन ने कही। उन्होंने बताया कि फिल्म में मोटिवेशन भी ऐसा की आप अपने जीवन में कुछ कर गुजरने की हिम्मत करेंगे। यह फिल्म दो भाषाओं में रिलीज हो रही है। पहला हिंदी और दूसरा छत्तीसगढ़ी। हालांकि मेकर्स सबसे पहले इस फिल्म को हिंदी पट्टी के दर्शकों के लिए रिलीज करेंगे और फिर इसे छत्तीसगढ़ी में रिलीज किया जाएगा। यह पॉपकॉर्न की पहली फिल्म नहीं है। इसके पहले ले चलहुं अपनी दुआरी का भी निर्माण कर चुके हैं। आदि काल से ही महिलाएं पुरुषों का साथ देती आ रही हैं। दोनों एक ही गाड़ी के पहिए हैं। अगर एक हट जाए तो गाड़ी आगे बढ़ना मुश्किल होगा। ऐसे में अब दौर ऐसा है कि महिलाओं पर केंद्रित फिल्में भी आनी चाहिए। इस फिल्म में ऑन और ऑफ स्क्रीन दोनों ही जगहों पर महिलाओं ने बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस फिल्म को 25 साल की सिनेमैटोग्राफर आरुषि ने शूट किया है। मेरी मां कर्मा के बारे में यह कहना बिल्कुल गलत नहीं होगा कि यह एक महिला केंद्रित फिल्म है । इस फिल्म में बॉलीवुड के मंझे हुए कलाकारों के अभिनय को देखने को मिलेगा। फिल्म में कर्मा का किरदार छत्तीसगढ़ में अपनी अच्छी पहचान बना चुकीं अभिनेत्री कुकी स्वाएन ने निभाया है। वहीं, फिल्म में ओंकार दास मानिकपुरी, सानंद वर्मा अल्का आमिन, इश्तियाक खान, भगवान तिवारी और सुनीता राजवर जैसी एक्टर्स भी अहम किरदार में नजर आएंगे। इसके अलावा फिल्म का संगीत भी बेहद अहम है। इसके हिंदी गानों को जावेद अली, अनुराधा पौडवाल, शाहिद माल्या और साधना सरगम ने गाया है। वहीं, फिल्म के गाने असतंम में राहु बैठा है गाने को लिखा है राहत इन्दोरी जी के बेटे सतलज इन्दोरी जी ने। 05 अप्रैल को रिलीज होने वाली है।

पहली बहुमंजिला इमारत बनाने वाले बुधिया बिल्डर्स एंड डेवलपर्स के 15 वर्ष हुए पूरे,कमाया ग्राहकों का भरोसा

-संवाददाता-
कोरबा,30 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

कोरबा शहर में 04 मंजिल वाला प्रथम बहुमंजिला इमारत का प्रोजेक्ट साईं कुंज बनाने वाले बुधिया बिल्डर्स एंड डेवलपर्स ने अपने 15 साल पूरे कर लिए। बुधिया बिल्डर्स एंड डेवलपर्स कोरबा में बिल्डर्स के रूप में अपनी अलग पहचान बना चुका है। वर्ष 2007 में साईं कुंज प्रथम प्रोजेक्ट में 27 घर थे, जिसके बाद निरंतर कोरबा में सेवा देते हुए बुधिया बिल्डर्स ने 250 से ज्यादा प्लॉट और मकान व फ्लैट अपने संतुष्ट ग्राहको को दे चुका है। किसी में भी अब तक कोई विवाद नहीं है। उक्त बात बुधिया बिल्डर्स एंड डेवलपर्स के संजय बुधिया एवं उनके पुत्र मृदुल बुधिया ने शनिवार को कोरबा प्रेस क्लब के तिलक भवन में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कही। उन्होंने बताया किसी भी ग्राहक की मेहनत की कमाई न फंसे इसके लिए पूरा ध्यान दिया जाता है। उनके फर्म के माध्यम से आज तक कोई अवैध प्लाटिंग या बिल्डिंग का कार्य नहीं किया है। फर्म के सभी प्रोजेक्ट रेरा, टाउन प्लानिंग एवं नगर निगम तथा कलेक्टर से मान्यता प्राप्त होने के बाद ही लांच किए जाते है। उन्होंने बताया कि सांई कृष्णा पैलेस, साईं इन्कलेव, सांई वृंदावन, साईं विला नामों से बुधिया बिल्डर्स के प्रोजेक्ट है। इसके अलावा शहर में अन्य कोई भी प्रोजेक्ट न तो उनके फर्म का है और न ही उनका किसी तरह का संबंध है। अब तक के सभी प्रोजेक्ट के उनके सभी ग्राहक संतुष्ट है। जिनके सुख व दुख के कार्यक्रम में उन्हें बुलाया जाता है और वे शामिल होते हैं। बिल्डर्स के रूप में पैसे के बजाए ग्राहकों का भरोसा हमने कमाया है। फर्म का पूरा काम पारदर्शिता के साथ किया जाता है इसके लिए मोबाइल पर गूगल के जरिए बुधिया बिल्डर्स एंड डेवलपर्स सर्च कर ब्यौरा देखा जा सकता है। इस दौरान मृदुल बुधिया ने बताया कि उनके सभी प्रोजेक्ट में ग्राहकों को जो भी कमिटमेंट किया जाता है उससे ज्यादा सुविधा एवं एमेनिटीज प्रदान की जाती है। कोई भी छुपा शर्त बताकर गुमराह नहीं किया जाता। हर प्रोजेक्ट में कई बैंकों में ग्राहकों की सुविधा के लिए अनुबंध किया जाता है। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी बुढ़िया बिल्डर्स अपने ग्राहकों को और भी बेहतर सुविधा देने का प्रयास करेगा ।

CMYK

सिक्की-सुमित की जोड़ी ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

थाईलैंड की सुपानिदा से हारकर पीवी सिंधू हुई प्रतियोगिता से बाहर

मैड्रिड,30 मार्च 2024। एन सिक्की रेड्डी और बी सुमित रेड्डी की दंपत्ति जोड़ी ने रेहान नोफल कुशारजंतो और लिसा आयु कुसुमावती की इंडोनेशिया की चौथी वरीय जोड़ी को कड़े मुकाबले में 14-21 21-11 21-17 से हराकर मिश्रित युगल सेमीफाइनल में जगह बनाई। तीसरे गेम में सिंधू ने बेहतर शुरुआत करते हुए 10-5 की बढ़त बनाई लेकिन सुपानिदा ने लगातार पांच अंक के साथ वासपी करते हुए 14-12 की बढ़त बना ली। थाईलैंड की खिलाड़ी ने पांच मैच प्वाइंट हासिए किए। भारत की पीवी सिंधू कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूव शुक्रवार को यहां मैड्रिड स्पेन मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड की सुपानिदा केटथोंग के खिलाफ शिकस्त के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गईं। पिछले साल इस टूर्नामेंट की उप विजेता रहीं सिंधू ने पहले गेम में कई गेम प्वाइंट बचाए लेकिन इसके बावजूद उन्हें थाईलैंड की छठी

वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने 24-26 21-17 22-20 से हरा दिया।

स्पेन की कैरोलिना मारिन के हटने के बाद खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रहीं दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने अंत में धैर्य खो दिया और कोर्ट पर अपना रैकेट दे मारा जिसके लिए चेयर अंपायर ने उन्हें पीला कार्ड दिखाया। पीला कार्ड गलत आचरण की चेतावनी के लिए दिया जाता है। तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की तीसरी वरीय महिला युगल जोड़ी को हालांकि क्वार्टर फाइनल में ली चिया सिन और टेंग चुन सुन की चीनी ताइपे की छठी वरीय जोड़ी के खिलाफ 13-21 19-21 से हार का सामना करना पड़ा। सिंधू ने दुनिया की 17वें नंबर की खिलाड़ी सुपानिदा के खिलाफ आठ में से पांच मुकाबले जीते हैं और दोनों खिलाड़ियों के बीच पिछले दो साल में कुछ रोमांचक मुकाबले खेले गए हैं। सिंधू की शुरुआती धीमी रही और वह जल्द ही 3-7 से पिछड़ गईं।

भारतीय खिलाड़ी ने हालांकि इसके बाद वापसी करते हुए स्कोर 14-10 किया लेकिन सुपानिदा ने एक बार फिर लय हासिल की और सिंधू के नेट पर शॉट मारने पर दो गेम प्वाइंट हासिल किए। सिंधू ने लगातार दो स्मैश के साथ बराबरी हासिल की। सिंधू ने इसके बाद गेम प्वाइंट हासिल किया लेकिन नेट पर गलती करके गेम जीतने का मौका गंवा दिया। इसके बाद स्कोर 23-23 और फिर 24-24 हुआ।

सुपानिदा ने रैली के बाद बाहर शॉट मारकर सिंधू को गेम प्वाइंट दिया और थाईलैंड की खिलाड़ी ने नेट पर चूक करके गेम भारतीय खिलाड़ी की झोली में डाल दिया। दूसरे गेम में सुपानिदा ने बेहतर प्रदर्शन किया और उन्हें इसे जीतकर मुकाबले को तीसरे और निर्णायक गेम में खींचने में कोई दिक्कत नहीं हुई। सिंधू ने हालांकि वापसी करते हुए पांचों अंक बचाकर स्कोर 20-20 कर दिया लेकिन इसके बाद दो सहज गलतियां करके मैच गंवा दिया।

चेन्नई सुपर किंग्स की चुनौती से निपटना दिल्ली के लिए जरूरी

नई दिल्ली,30 मार्च 2024। रविवार को आईपीएल 2024 के दूसरे हेडर में दिल्ली कैपिटल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच मुकाबला खेला जाएगा। ये मैच विशाखापट्टनम में शाम 7.30 बजे से खेला जाएगा। वहीं सीएसके के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स अपनी बल्लेबाजी क्रम में फेरबदल करके विस्फोटक बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को मौका दे सकता है।

हालांकि, टी20 प्रारूप में हालांकि काफी कुछ टॉस पर निर्भर करता है लेकिन दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) पिछली चार भिड़ंत में सीएसके की चुनौती से पार नहीं पा सकी है और इसमें भी उसकी हार का अंतर 91 रन, 27 रन और 77 रन रहा है । जो उसकी हालत दर्शाने के लिए काफी है। और यह भी देखना होगा कि इन तीन करारी शिकस्त में डीसी की कोर टीम लगभग समान ही रही है, बस पिछली भिड़ंत में ऋषभ पंत उपलब्ध नहीं थे। इसे देखते हुए सीएसके के खिलाफ दिल्ली की जीत को टूर्नामेंट का बड़ा उलटफेर भी माना जायेगा।

वहीं सीएसके एक बार फिर हर विभाग में मजबूत दिख रही है जो कोच रिकी पोंटिंग की डीसी से बिलकुल ही उलट है। क्योंकि दिल्ली की टीम अभी तक खेल के दोनों विभागों में कमजोर रही है। डीसी के सहमालिक जीएमआर और जेएसडब्ल्यू पिछले कुछ वर्षों से नीलामी में ही टीम संयोजन में गड़बड़ी करते रहे हैं जिससे पोंटिंग या क्रिकेट निदेशक सौरव गांगुली घरेलू प्रतिभाओं से ज्यादा कुछ नहीं कर सकते हैं।

सीएसके ने 'अनकैप्ड' समीर रिज्वी को 8.40 करोड़ रुपये में खरीदा और पहली ही आईपील पारी में पंजाब किंग्स के खिलाफ उनके द्वारा जड़े गये दो छक्कों ने दिखा दिया कि फ्रेंचाइजी उन्हें टीम में शामिल करने के लिए इतनी बेताब क्यों थी। सभी फ्रेंचाइजी में डीसी के पास सबसे कमजोर 'टैलेंड स्काउट प्रोग्राम' है जिसका उसे खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। हाल में समाप्त हुए रणजी ट्राफी सत्र में 902 रन जुटाकर सबसे ज्यादा रन जुटाने वाले रिकी भुई ने टीम के पिछले मैच में जितना खराब प्रदर्शन किया, उससे घरेलू क्रिकेट और आईपीएल के बीच का अंतर साफ दिखायी दिया। रणजी ट्राफी के दूसरे हिस्से के दौरान प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करने वाले साव भले ही पोंटिंग द्वारा तय किये गये फिटनेस मानकों को पूरा नहीं करते हों लेकिन डीसी के 'चेंज रूम' में हर कोई जानता है कि अगर साव और भुई में से किसी एक को चुनना हो तो दाव किस पर लगाया जाये।

डेविड वॉर्नर भी अब पुरानी फॉर्म में नहीं दिखते जबकि कप्तान पंत को लय में आने में कुछ समय लगेगा। मिचेल मार्श पिछले दो सत्र से डीसी के साथ हैं लेकिन उनका प्रदर्शन भी निरंतर नहीं रहा है जिससे पृथ्वी शॉ की मौजूदगी से डीसी की बल्लेबाजी को कुछ मजबूती मिलेगी जिसे मुस्तफिजुर रहमान, दीपक चाहर, माथिशा पाथिराना और रविंद्र जडेजा जैसे गेंदबाजी आक्रमण का सामना करना होगा। पर असली चुनौती मुस्तफिजुर की 'कटर' की 'वैराइटी' का सामना करना होगी जो चतुराई से बल्लेबाजों के लिए मुश्किलें बढ़ाते रहते हैं।

समस्या यह है कि अगर पंत नहीं चल पाते तो डीसी में घरेलू प्रतिभाओं में कोई 'पावर हिटर' नहीं है। वहीं शाई होप और ट्रिस्टन स्टब्स क्रीज पर समय लेते हैं। डीसी की 'डेथ ओवर' में गेंदबाजी भी चिंता का विषय है जिसमें अक्षर पटेल को छोड़कर कोई भी अन्य गेंदबाज प्रति ओवर 7.50 से कम रन नहीं दे पाया है।

संक्षिप्त खेल समाचार

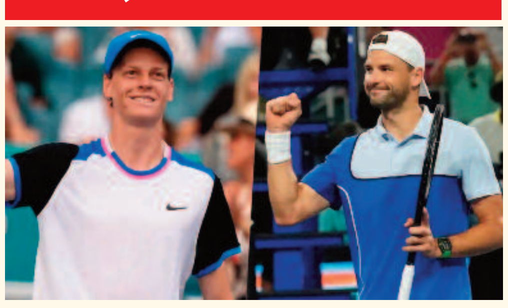

यानिक सिनर और ग्रिगोर दिमित्रोव मियामी ओपन फाइनल में

मियामी गार्डन्स,30 मार्च 2024। दूसरे वरीय यानिक सिनर ने यहां तीसरी वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव पर जीत से मियामी ओपन के फाइनल में प्रवेश किया। रविवार को फाइनल में सिनर का सामना 11वें वरीय ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा जिन्होंने चौथे वरीय एलेक्जैंडर ज्वेरेव को दूसरे सेमीफाइनल में शिकस्त दी। सिनर ने सेमीफाइनल में दमदार खेल दिखाते हुए मेदवेदेव को 6-1 6-2 से मात दी। दिमित्रोव ने शीर्ष वरीय कार्लोस अल्काराज को क्वार्टरफाइनल में हराने के बाद सेमीफाइनल में जर्मनी के ज्वेरेव को 6-4, 6-7, 6-4 से शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनायी।

काकुल में पीसीबी चयनकर्ता बाबर को सभी प्रारूपों में कप्तानी देने बातचीत करेंगे

एबटाबाद,30 मार्च 2024। चयनकर्ताओं और पीसीबी (पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के बीच शुक्रवार देर रात हुई बैठक के बाद; चयनकर्ता स्टार पाकिस्तानी बल्लेबाज बाबर आजम से मिलने और उन्हें राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के लिए सभी प्रारूपों में कप्तानी का स्थान लेने के लिए मनाने के उद्देश्य के साथ एबटाबाद में सैन्य अकादमी काकुल जा रहे हैं। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, चयनकर्ताओं की टीम मौजूदा कप्तान शाहीन शाह आफरीदी की जगह बाबर आजम को टी20 और अन्य सभी प्रारूपों के लिए कप्तान की भूमिका निभाने के लिए मनाने के लिए काकुल में होगी।सूत्र ने पुष्टि की, यह निर्णय पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी और चयनकर्ताओं के बीच देर रात हुई बैठक से सामने आया।

विवरण के अनुसार, चयनकर्ता आगामी टी20 विश्व कप तक बाबर आजम को राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का कप्तान बनने के लिए मनाएंगे। दूसरी ओर, बाबर आज़म को कप्तान के रूप में दीर्घकालिक स्थिति में प्रवेश करने में अधिक रुचि है, जिसे टी20 विश्व कप तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए।सूत्र ने खुलासा किया, बाबर ने पीसीबी को पहले ही बता दिया है कि वह सभी प्रारूपों में राष्ट्रीय टीम का नेतृत्व करना चाहता है और टी20 प्रारूप में कप्तानी पर विचार करने के लिए इसे पूर्व शर्त के रूप में रखा है। स्टार बल्लेबाज के करीबी सूत्रों ने भी बाबर आजम को पीसीबी के सामने अपनी मांगें रखने की सलाह दी है क्योंकि यह सही समय है। सूत्र ने कहा, पीसीबी अभी कमजोर है। वे टी20 विश्व कप के लिए बाबर को चाहते हैं और बोर्ड की कमजोर स्थिति के कारण उन्हें उनकी मांगों से सहमत होना होगा।

जबकि पीसीबी चयनकर्ता अगले टी20 कप्तान पर चर्चा कर रहे हैं और बाबर आजम से संपर्क कर रहे हैं; पीसीबी के फैसले पर मौजूदा कप्तान शाहीन शाह आफरीदी को अंधेरे में रखा गया है। सूत्र ने कहा, पीसीबी और शाहीन शाह आफरीदी के बीच स्पष्ट रूप से संवाद की कमी है, जो चिंताजनक है। किसी भी चयनकर्ता और न ही पीसीबी अध्यक्ष ने खुद शाहीन शाह आफरीदी से उनके प्रतिस्थापन के बारे में चल रही चर्चा के संदर्भ में संपर्क किया है।

लेकिन संभावित बदलाव की खबर ने कई लोगों की भौंहें चढ़ा दी हैं, जिन्होंने इस मामले पर चुप रहने और अफवाहों और अटकलों को बहस में जगह देने के लिए पीसीबी की आलोचना की है।

पूर्व क्रिकेटर शाहिद आफरीदी ने कहा है कि शाहीन शाह आफरीदी को हटाना अनुचित होगा, वह भी तब जब उन्होंने केवल एक सीरीज में टीम का नेतृत्व किया हो।

शाहीन आफरीदी आगामी विश्व कप के लिए सक्रिय रूप से तैयारी कर रहे हैं और उन्होंने इमाद वसीम और मोहम्मद आमिर को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने और अपनी सेवानिवृत्ति वापस लेने के लिए मनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मैट हेनरी को डेविड विली की जगह लखनऊ सुपर जायंट्स टीम में शामिल किया गया

लखनऊ,30 मार्च 2024।लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने शनिवार को घोषणा की कि न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी डेविड विली की जगह लेंगे।) 2024. आईपीएल के एक मीडिया बयान के अनुसार, हेनरी ने इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी विली की जगह ली, जो व्यक्तिगत कारणों से टूर्नामेंट से हट गए हैं। हेनरी अपने बेस प्राइस 1.25 करोड़ रुपये पर टीम में शामिल हुए।

हेनरी ने अब तक 25 टेस्ट, 82 एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय (वनडे) और 17 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व किया है। इससे पहले वह आईपीएल में पंजाब किंग्स और चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा रह चुके हैं। उन्होंने अब तक दो आईपीएल मैचों में भाग लिया है, दोनों 2017 में पंजाब किंग्स के लिए। लखनऊ ने शनिवार को पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ अपने मैच से पहले यह घोषणा की। वुड की जगह वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शामर जोसेफ को लिया गया। एलएसजी को अपने पहले गेम में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) से 20 रन से हार का सामना करना पड़ा। केएल राहुल की अगुवाई वाली एलएसजी वर्तमान में शून्य अंक और -1.000 के नेट रन रेट के साथ दसवें स्थान पर है। टीम ने अब तक एक मैच राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेला है और उसे 20 रन से हार मिली है।

महिला युगल के फाइनल में पहुँची गैब्रिएला डाब्रोव्स्की-एरिन राउटलिफ की जोड़ी

मियामी,30 मार्च 2024। नंबर 2 वरीयता प्राप्त गैब्रिएला डाब्रोव्स्की और एरिन राउटलिफ़ ने शानदार वापसी करते हुए एशिया मुहम्मद और एलिसिया पार्क्स को 6-7(4), 6-4, 10-4 से हराया और मियामी ओपन महिला युगल के फाइनल में जगह बनाई। मौजूदा यूएस ओपन चैंपियन ने सीज़न के अपने पहले डब्ल्यूटीए टूर फाइनल में जगह बनाई। रविवार को खिताब के लिए डाब्रोव्स्की और राउटलिफ़ का सामना अमेरिकी सोफिया केनिन और बेथानी माटेक-सैंड्स से होगा। डाब्रोव्स्की और राउटलिफ़ अपने चौथे-टीम फ़ाइनल में हैं, और अपना तीसरा-टीम खिताब जीतने की कोशिश कर रहे हैं। अमेरिकी जोड़ी ने अपने आक्रामक पावर गेम को पहले सेट में करीबी मुकाबले में आगे बढ़ाया, जिसके बाद दूसरे सेट में डाब्रोव्स्की और राउटलिफ़ ने प्रतियोगिता की कमान संभाली।

मुहम्मद और पार्क्स के पास एक सेट पॉइंट और 5-2 की बढ़त थी, लेकिन डाब्रोव्स्की और राउटलिफ़ ने अपने आक्रामक नेट खेल को बढ़ाया और अपने विरोधियों को बेअसर करने के लिए अपने अनुभव का फायदा उठाया, लगातार चार गेम जीते और टाईब्रेक को मजबूर किया। डाब्रोव्स्की और राउटलिफ़ ने जीत सुनिश्चित करने के लिए अपनी गति का उपयोग किया। मियामी से पहले इस सीज़न में डाब्रोव्स्की और राउटलिफ़ के बेहतरीन परिणाम ऑस्ट्रेलियन ओपन और दुबई में सेमीफ़ाइनल में थे। मियामी में, उन्होंने फ़ाइनल के रास्ते में गुओ हन्यू और उक्रिके ईकेरी, मियू काटो और अल्डिला सुत्जियादी, एशलिन क्रुएगर और स्लोएन स्टीफंस और मुहम्मद और पार्क्स को हराया। मियामी में, मुहम्मद और पार्क्स ने इस साल दूसरी बार जोड़ी बनाई और सेमीफाइनल तक शानदार प्रदर्शन किया, उनके प्रत्येक चार मैच टाईब्रेक में समाप्त हुए।

नीरज चोपड़ा 2024 सीजन की शुरुआत करने के लिए तैयार

नई दिल्ली,30 मार्च 2024। भारतीय ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा मई में दोहा डायमंड लीग के साथ अपने 2024 सीज़न की शुरुआत करेंगे। डायमंड लीग 2024 सीरीज़ 20 अप्रैल को चीन के ज़ियामेन में शुरू होगी और सितंबर में ब्रुसेल्स में फाइनल के साथ समाप्त होगी। दोहा चरण इस श्रृंखला का तीसरा आयोजन है।

द फैमिली स्टार का दमदार ट्रेलर जारी

विजय देवरकोंडा और मृणाल ठाकुर की जमी जोड़ी

विजय देवरकोंडा और मृणाल ठाकुर अपनी फिल्म द फैमिली स्टार की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। दर्शकों को वे एक पारिवारिक मनोरंजन देने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। वहीं के पोस्टर और टीजर ने हाल ही में फैंस के उत्साह

को बढ़ा दिया था। वहीं, अब इस उत्साह को चरम पर ले जाने के लिए फिल्म के निर्माताओं ने आखिरकार द फैमिली स्टार का दमदार ट्रेलर जारी कर दिया है।फिल्म का ट्रेलर 2 मिनट और 26 सेकंड लंबा है। ट्रेलर में कई तरह की भावनाओं को दिखाया गया है, जो एक संपूर्ण पारिवारिक मनोरंजक फिल्म का डोज देती है। ट्रेलर में विजय को एक पूर्ण पारिवारिक व्यक्ति के रूप में दिखाया गया है और मृणाल उनके जीवन में एक नए किरायेदार के रूप में आती हैं, फिर जल्द ही परिवार की तरह बन जाती हैं। फिल्म में रोमांस, ड्रामा, एक्शन और कॉमेडी का भी डोज है। वहीं, विजय और मृणाल के बीच मस्ती और प्यार भरी नोंक-झोंक भी देखने को मिली। वहीं ट्रेलर के अंत में मृणाल, विजय को तप्पड़ मारती हुई नजर आती हैं।2018 की ब्लॉकबस्टर फिल्म गीता गोविंदम के बाद विजय देवरकोंडा और निर्देशक परशुराम पेटला द फैमिली स्टार में दूसरी बार साथ काम कर रहे हैं। फिल्म को एक एक्शन एंटरटेनर माना जा रहा है, जिसमें विजय और मृणाल के अलावा जगपति बाबू, अच्युत कुमार, अभिनय, वासुकी, रोहिणी हट्टंगडी और रवि बाबू, दिव्यांश कौशिक, अजय घोष और कई अन्य कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। द फैमिली स्टार को वेंकटेश्वर क्रिएशन्स के बैनर तले दिल राजू द्वारा बनाया जा रहा है, वहीं गोपी सुंदर ने फिल्म के लिए संगीत तैयार किया है। यह फिल्म तमिल, तेलुगु और हिंदी तीन भाषाओं में रिलीज होगी। द फैमिली स्टार पांच अप्रैल को सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए तैयार है।

स्टाइलिश आउटफिट पहन पूनम पांडे ने बिखेरा जलवा

एक्ट्रेस की हॉटनेस ने लूटी महफिल

इन दिनों सोशल मीडिया पर हर तरफ पूनम पांडे की ही चर्चा है। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वो बेहद खूबसूरत और हॉट लग रही हैं। इन तस्वीरों में पूनम पांडे ने हरे रंग का स्टाइलिश आउटफिट पहना हुआ है, जो उनके ऊपर काफी जंच रहा है। उन्होंने अपने बाल खुले रखे हैं और लाइट मेकअप किया हुआ है। तस्वीरों में पूनम अलग-अलग पोज दे रही हैं और उनका ये अंदाज उनके फैंस को काफी पसंद आ रहा है। इस तस्वीर में पूनम पांडे किलर पोज देती हुई नजर आ रही हैं। पूनम पांडे की इस अदा पर फैंस फिदा हो गए।अपनी बोल्ड अदाओं से लोगों को अपनी ओर अट्रेक्ट करने वाली एक्ट्रेस पूनम पांडे इन दिनों सोशल मीडिया पर अपने हुस्न के जलवे बिखेरने में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। इससे पहले भी एक्ट्रेस ने अपनी तस्वीरों से बोल्डनेस की सारी हदे पार कर रखी हैं। हालांकि इस बार भी पूनम पांडे का ये लुक हद से ज्यादा स्टाइलिश नजर आ रहा है। इन तस्वीरों पर कुछ ही घंटों में हजारों लाइक्स आ चुके हैं और कमेंट सेक्शन में फैंस उनकी खूब तारीफ कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा,आप किसी परी से कम नहीं लग रही हैं,तो वहीं दूसरे फैन ने कमेंट किया, आपका ये स्टाइलिश लुक कमाल का है।

मिर्जापुर 3 में मुन्ना भैया की वापसी

प्रोड्यूसर रितेश सिधवानी ने खोला राज

मोस्ट आवेटेड सुपरहिट वेब सीरिज मिर्जापुर के तीसरे सीजन का फैंस बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। साल 2018 में इसका पहला सीजन आया था और वहीं दूसरा सीजन 2020 में आया था। सीजन 2 को आए हुए 4 साल हो गए हैं। हाल ही में जब ह्ळ्ळ प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो ने इस साल अपनी फिल्मों और वेब सीरीज की लिस्ट जारी की है, उसमें मिर्जापुर 3 का भी नाम था। यह सुनकर फैंस का खुशी का ठिकाना नहीं रहा। मिर्जापुर 3 की रिलीज को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं, हालांकि यह भी जानने को बैचेन हैं कि क्या तीसरे सीजन में गुड्डू भैया (अली फजल) की तरह मुन्ना त्रिपाठी की भी वापसी होगी। मिर्जापुर के सीजन 2 में मुन्ना भैया की मौत हो जाती है लेकिन क्या वह मिर्जापुर 3 में वापसी करेंगे? इसका बात का खुलासा रितेश सिधवानी ने दिया है।

अगर आपको याद हो कि मिर्जापुर 2 के क्लाइमैक्स में गुड्डू भैया और गोलू दोनों मिलकर कालीन भैया और मुन्ना त्रिपाठी को गोली मारते हैं। इसमें कालीन भैया तो बच जाते हैं, पर मुन्ना त्रिपाठी की मौत हो जाती है। इस किरदार की मौत के बाद फैंस को काफी झटका लग जाता है। हालांकि मुन्ना भैया का कमबैक पर प्रोड्यूसर रितेश सिधवानी ने जवाब दे दिया है।रितेश सिधवानी ने कहा, यह दुर्भाग्य की बात है कि मुन्ना त्रिपाठी उस तरह से सीरिज में वापसी नहीं कर सकता, मगर बेहद ही दिलचस्प है कुछ, जिसके लिए आपको इंतजार करना होगा। कुछ ऐसा है. जिसके जरिए मुन्ना दर्शकों की जिंदगी में फिर से प्रवेश करेगा। अब मुन्ना किस तरह से वापसी करेगा इस बारे में रितेश ने इनकार कर दिया।

जमीन रजिस्ट्री अब होगी महंगी

सरकारी गाइडलाइन रेट में 30 प्रतिशत की छूट खत्म

रायपुर,30 मार्च 2024(ए)। जमीन की सरकारी गाइडलाइन दरों में 30 प्रतिशत की छूट इसी महीने 31 मार्च को खत्म हो रही है। बता दें सरकार हर साल आदेश निकाल कर इस छूट की सीमा एक साल बढ़ा देती थी। लेकिन इस बार आवास पर्यावरण विभाग ने छूट बढ़ाने से साफ इंकार कर दिया है। आवास पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी ने स्पष्ट तौर पर कहा कि गाइडलाइन रेट में छूट अब नहीं बढ़ाई जाएगी।

सरकार ने छूट बढ़ाने से इंकार का फैसला 29 मार्च को लिया है। मतलब 31 मार्च 2024 को खत्म हो जाएगी। तब यह फैसला लिया गया है। सरकार के इस फैसले से भूमाफियाओं और बड़े बिल्डरों में हड़कंप मच गया। रजिस्ट्री ऑफिस में मार्च की भीड़भाड़ को देखकर बड़ी संख्या में ऐसे रजिस्ट्रीयों को होल्ड करके रखा गया था कि अप्रैल में आराम से कराया जाएगा। मगर छूट समाप्त होने से अब जमीनों की रजिस्ट्री

43 प्रतिशत बढ़ जाएगी। याने बड़ी रजिस्ट्रियों में लाखों की चपत बैठेगी।

मनी लॉड्रिंग पर लगेगा अंकुश

दरअसल, जमीनों के गाइडलाइन रेट में छूट समाप्त होने से मनी लॉड्रिंग पर अंकुश लगेगा। इस समय गाइडलाइन रेट कम होने से दो नंबर का पैसा जमीनों में खपाया जा रहा है। खासकर, भूमाफिया इसका जमकर फायदा उठा रहे थे।

जारी गाइडलाइन से किसानों को होगा फायदा

सरकार द्वारा गाइडलाइन रेट में छूट की अवधि न बढ़ाने से जमीनों की रजिस्ट्री करीब 43 परसेंट महंगी हो जाएगी। इससे सरकारी खजाने में करीब एक हजार करोड़ अतिरिक्त राजस्व आएगा। वहीं, किसानों को भी इसका फायदा होगा। किसानों की जमीन अधिग्रहण में उन्हें बड़ा नुकसान हो रहा है।

2019 से जारी थी छूट

आपको बता दें छत्तीसगढ़ में 2019 से जमीनों के कलेक्टर रेट में 30 प्रतिशत की छूट दी गई थी जो अब 31 मार्च 2024 तक ही लागू रहेगी। बीते वर्ष नई गाइडलाइन तय करने के लिए मार्च के दूसरे हफ्ते में प्रदेश के ज्यादातर जिलों ने शासन को प्रस्ताव भेजा था कि गाइडलाइन रेट कम होने की वजह से सरकारी राजस्व में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। ऐसे में इस साल यानी 2023-24 के लिए भी सरकारी कीमत में बढ़ोतरी नहीं होनी चाहिए। बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक 2024 के नए वित्तीय वर्ष से रजिस्ट्री खर्च महंगे होने से रियल एस्टेट के व्यवसाय में असर पड़ सकता है।

छत्तीसगढ़ में चारों तरफ सड़कें बनने से बड़े स्तर पर जमीनों का अधिग्रहण चल रहा है। मगर गाइडलाइन कम होने से उन्हें रेट कम मिल रहा है। आवास पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी ने भी यही कहा है। उन्होंने कहा कि किसानों को इससे फायदा होगा।

भाजपा ने कांग्रेस पर लगाया बड़ा आरोप

अजय चंद्राकर ने कांग्रेस को एक आंतकी संगठन बताया

रायपुर,30 मार्च 2024(ए)। भाजपा को येन लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को घेरने का बड़ा मुद्दा मिल गया है। जिस मुद्दे को लेकर कांग्रेस में असंतोष पनप रहा है उसी मुद्दे को भाजपा ने हाथों हाथ उठा लिया है। कांग्रेस नेता रामकुमार शुक्ला के पत्र पर पूर्व मंत्री व भाजपा विधायक अजय चंद्राकर का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कांग्रेस को आतंकी संगठन बताया है। अजय चंद्राकर ने कहा कि भूपेश बघेल ने स्वीकार किया कि कांग्रेस में स्लीपर सेल है। इसका मतलब है कि कांग्रेस एक आतंकी संगठन है, उस आतंकी संगठन से किसी को भी खतरा हो सकता है। इसलिए रामकुमार शुक्ला के बयान में कहीं भी अतिशयोक्ति नहीं है कोई भी स्लीपर सेल वाला उनकी हत्या

कर सकता है। प्रशासन को इस विषय पर ध्यान देना चाहिए।

वहीं आयकर विभाग के नोटिस को लेकर कांग्रेस के प्रदर्शन करने पर विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि आयकर के नोटिस में क्या है? उन्होंने कब तक अमाउंट जमा करने कहा है ? उसे कांग्रेस नहीं बताती कांग्रेस अपने आप को विक्ट्रिम साबित करना चाहती है। कानूनी प्रक्रिया में आयकर की कार्रवाइयों का सामना करना चाहिए। विक्ट्रिम की तरह खुद को पेश नहीं करना चाहिए। अजय चंद्राकर ने कहा कि कानून सबके लिए बराबर है।

इसके साथ ही कांग्रेस नेताओं के पार्टी छोड़ने को लेकर विधायक अजय चंद्राकर ने कहा पूर्व सीएम भूपेश ने पारिवारिक संस्थान की तरह सरकार चलाई। जिन कार्यकर्ताओं को पूछा नहीं गया था वे तो बोलेंगे। कई लोग एक ही परिवार की आरती कर परेशान हैं, लोग मानसिक रूप से थक जाते हैं, पार्टी छोड़ने का यही कारण है।

भाजपा के जारी स्टार प्रचारकों की सूची में पीएम,सीएम सहित कई दिग्गजों के नाम

छत्तीसगढ़ के 19 नेताओं के नाम स्टार प्रचारकों में

रायपुर,30 मार्च 2024(ए)। छत्तीसगढ़ समेत देश भर में होने वाले लोकसभा चुनाव के स्टार प्रचारकों की सूची भाजपा ने जारी कर दी है। देश में सात चरणों में मतदान होने हैं। छत्तीसगढ़ की तो यहां तीन चरणों में मतदान होंगे। वहीं, 4 जून को मतगणना होगी। इसी बीच भाजपा ने छत्तीसगढ़ में होने वाले प्रथम चरण के चुनाव के लिए स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है।

छत्तीसगढ़ के 19 नेताओं सहित भाजपा के 21 वरिष्ठ नेताओं के नाम शामिल भाजपा के स्टार प्रचरकों की सूची में 40 नेताओं के नाम शामिल है। इसमें छत्तीसगढ़ के 19 नेताओं और बाहर से 21 नेताओं का नाम शामिल है। भाजपा की तरफ से जारी की गई स्टार

प्रचारकों की सूची में पीएम नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री नीतिन गडकरी समेत 17 नेताओं के नाम है। वहीं छत्तीसगढ़ से सीएम विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम विजय शर्मा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंहदेव, मंत्री ओपी चौधरी जैसे दिग्गज नेताओं के नाम सूची में शामिल है।

कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ को भ्रष्टाचार और घोटाले का बना दिया था चारागाह

कोंडागांव,30 मार्च 2024 (ए)। विधानसभा चुनाव में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कड़ी मेहनत की थी, घर-घर तक पहुंचे और कमल निशान पर वोट मांगकर भाजपा को विधानसभा चुनाव जिताया, 54 सीट और 46 प्रतिशत वोट लेकर हमने प्रदेश में शानदार जीत दर्ज की. आप सबके मेहनत से एक इंजन ठीक हो गया है, दूसरा इंजन भी ठीक है लेकिन फिर से डबल इंजन की सरकार बनाना है. आज कोंडागांव में आयोजित विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए यह बात कही.

मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी जी ने पूरी दुनिया में देश का डंका बजाया है। उनके 10 वर्षों के शासन में गांव, गरीब, मजदूर, किसान सबका विकास हुआ. सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास यही भाजपा का मूल मंत्र है. आप सभी बस्तरवासी मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने में अपना सहयोग करें, ये आशीर्वाद मैं आप सभी से मांगने आया हूँ. साय ने कहा कि आज एक आदिवासी परिवार की बेटी देश की

राष्ट्रपति है और एक छोटे से गांव का आदिवासी बेटा प्रदेश का मुख्यमंत्री है, ये सब भाजपा में ही संभव है. क्योंकि भारतीय जनता पार्टी ही आदिवासियों का असली सम्मान करती है.मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में प्रदेश को भ्रष्टाचार और घोटाले का चारागाह बना दिया था. लेकिन हमारी सरकार शराब घोटाला, कोयला घोटाला या डीएमएफ घोटाला सबकी जांच करा रही है और आरोपियों के ऊपर एफआईआर भी दर्ज हो गया है. कुछ जेल के अंदर हैं और कुछ बेल में हैं. प्रदेश में अब भ्रष्ट लोगों के लिए जेल ही एक ही जगह है.

साय ने कहा कि सरकार में आते ही उन्होंने सबसे पहले 18 लाख परिवारों के पीएम आवास के लिए राज्यांश जारी किये। कांग्रेस ने दो साल का बकाया बोनस नहीं दिया, जबकि यह उनके चुनावी वायदे में शामिल था. हमारी सरकार आई तो हमने अटल जी की जयन्ती के दिन 12 लाख किसानों को 3716 करोड़ का बकाया बोनस दिया। हमने रिकॉर्ड 145 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की. किसानों को 3100 रुपया प्रति क्विंटल धान का दिया, 13,320 करोड़ रूपये अंतर की राशि 24 लाख 72 हजार किसानों को जारी की. महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख से ज्यादा माताओं-बहनों के खातों में 655 करोड़ रूपये की पहली किश्त जारी की. उन्होंने कहा हमारी सरकार तेंदूपत्ता संग्राहकों से 5500 रुपया प्रति मानक बोरा के दर से तेंदूपत्ता खरीदेगी और इसके लिए खरीदी का समय भी 15 दिन का होगा। चरण पादुका जैसी योजनाएं, जिसे भूपेश सरकार ने बंद कर दिया था, उसे हमारी सरकार पुनः प्रारम्भ करेगी।

नक्सलियों के आह्वान पर बीजापुर बंद रहा

बीजापुर,30 मार्च 2024(ए)। विगत 3 महीने में 15 बेकसूर आदिवासी ग्रामीणों को मारे जाने के विरोध में बस्तर में नक्सलियों ने प्रदेश सरकार के खिलाफ आज बीजापुर बंद का आह्वान किया है।

दरअसल 4 दिन पहले पश्चिम बस्तर डिवीजन कमेटी के सचिव मोहन ने एक पर्चा जारी किया था, जिसमें धमकी दी गई है कि अगर दुकाने खुली रही, गाड़ियां चली तो इसके जिम्मेदार वे लोग खुद होंगे। नक्सली पर्चे के दहशत के चलते बीजापुर में आज दुकानें और बसें पूरी तरह बंद रही।

नक्सलियों के बंद को लेकर बस्तर में पुलिस फोर्स भी अलर्ट मोड़ पर है।

वर्चस्व को लेकर दो गैंग के कैदी आपस में भिड़े

एसीबी की पूछताछ को लेकर रायपुर सेंट्रल जेल में सुरक्षा बढ़ाई गई

बिलासपुर,30 मार्च 2024(ए)। बिलासपुर सेंट्रल जेल में समुदाय विशेष के अपराधियों के बीच अलग-अलग गुट है, जिनके बीच वर्चस्व को लेकर पुरानी लड़ाई चल रही है। इन अपराधियों में रायपुर, कवर्धा और कोरबा के बदमाश शामिल हैं। इनमें बिलासपुर का गुट अलग है। होली पर्व के पहले बीते 22 मार्च की शाम वर्चस्व को लेकर उनके बीच विवाद हो गया। इस दौरान दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। इस हमले में आधा दर्जन बंदी घायल हो गए।

बिलासपुर सेंट्रल जेल में गैंगवार का मामला सामने आया है। यहां होली पर्व से पहले एक ही समुदाय के दो गुटों में जमकर मारपीट हो गई। इस दौरान बंदियों ने चम्मच व छड़ को हथियारों के रूप उपयोग किया और एक-दूसरे पर वार किया। इस घटना में कई कैदी घायल भी हुए, जिनका जेल अस्पताल में इलाज कराया गया। पूरी घटना की जांच के बाद पुलिस ने अब दोनों पक्षों पर जानलेवा हमला व बलवा का केस दर्ज किया है।

सेंट्रल जेल में रंगदारी चलती है, जिसके चलते बदमाश बंदियों ने अपना गुट बना लिया है। यहां जेल में सुविधाओं को लेकर बंदी आपस में झगड़ा करते हैं। बंद अपराधी जेल के भीतर चम्मच व छड़ को घिसकर हथियार बनाकर छिपाकर रखते हैं। 22 मार्च को विवाद के दौरान मौसीन खान उर्फ चूहा, आसिफ खान, रफीक खान, इंदीत खान, अब्दुल अयाज खान,अब्दुल मेहताब खान ने मिलकर अल्ताफ खान, फिरोज खान, जलील खान, कमर अली खान पर हमला कर दिया और जमकर हथियार भी चलाए।

दूसरे पक्ष के लोगों ने भी जमकर मारपीट की। इस हमले में घायलों का जेल अस्पताल में इलाज कराया गया। जिस दिन जेल में गैंगवार हुआ, उस दिन कैदियों के घायल होने की खबर आई थी। लेकिन, जेल अधीक्षक खोमेश मंडावी ने सामान्य विवाद बताकर मामले को दबाने का प्रयास किया। उन्होंने इस घटना में किसी के घायल होने से भी इंकार कर दिया था। जब मामला पुलिस तक पहुंचा और जांच कराई गई, तब गैंगवार और हमले होने की बात सामने आई।

रायपुर जेल में सुरक्षा बढ़ाई गई

लोकसभा चुनाव के बीच प्रदेश में हुए घोटाले की ईडी की ओर से एसीबी में दर्ज एफआईआर के बाद एसीबी और ईओडब्ल्यू की टीम रायपुर सेंट्रल जेल पहुंची। जहां टीम कोयला और शराब समेत महादेव सट्टा ऐप मामले में बंद आरोपियों से पूछताछ करेगी। सभी आरोपियों से 7 सदस्यीय टीम करीब 10 घंटे से ज्यादा की पूछताछ करेगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जेल की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है।

कोर्ट ने 29 मार्च से 2 अप्रैल तक पूछताछ की अनुमति दी है। बताया जा रहा है कि एसीबी ने जेल में बंद आरोपियों से पूछताछ की मांग की थी. ईडी के प्रतिवेदन के आधार पर एसीबी ने कोयला स्कैम, महादेव सट्टा एप घोटाला और शराब घोटाला मामले में केस दर्ज किया था। ईडी की स्पेशल कोर्ट ने एसीबी की ओर से पेश किये गये आवेदनों के आधार पर जेल में बंद आरोपियों से पूछताछ करने के लिए अनुमति दी है।

मामले में ईडी की स्पेशल कोर्ट मे एसीबी की ओर से तीन आवेदन पेश किए गए थे। एसीबी की टीम दो अप्रैल तक अलग-अलग दिनों में अलग-अलग केस में पूछताछ करेगी. टीम शराब घोटाला मामले में जेल में अरविंद सिंह, महादेव सट्टेबाजी मामले में असीम दास, भीम यादव और सतीश चंद्राकर और कोयला घोटाला मामले में समीर बिश्नोई, सूर्यकांत तिवारी, शिवशंकर नाग और नायर शामिल से पूछताछ कर रही है. इसके बाद टीम आगे की कार्रवाई करेगी। रायपुर सेंट्रल जेल की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है।

बैलेट पेपर वाला बयान हुआ विवादास्पद

रायपुर,30 मार्च 2024(ए)। राजनांदगांव लोकसभा के कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बैलेट पेपर से चुनाव वाले बयान से कांग्रेस में किसका नफा या नुकसान हुआ या हो रहा है इस पर राजनीतिक प्रेक्षकों की रायशुमारी चल रही है। इस बयान को लेकर भाजपा की शिकायत के बाद रायपुर से लेकर दिल्ली तक चुनाव आयोग सतर्क हो चुका है।

संवैधानिक तौर पर यह तो सही है कि 384 से अधिक प्रत्याशी हो जाने से आयोग को बैलेट पेपर से चुनाव कराना होगा, लेकिन ठीक चलते चुनाव में इस तरह की कवायद व्यवहारिक तौर पर असंभव सी लगती है। वह भी तब जब कांग्रेस के बैंक खाते सीज हो रहे हों। अर्थाभाव के चलते बड़े-बड़े नेता चुनाव लडऩे से डर रहे हों।

वैसे भी पांच साल में कार्यकर्ताओं को आर्थिक तौर पर इतना सक्षम ही नहीं होने दिया कि निर्दलीय चुनाव लडऩे के लिए वह पैसे खर्च कर सके। राजनांदगांव के कार्यकर्ता सुरेन्द्र दाउ ने सबकी ओर से बता ही दिया कि पांच साल क्या हाल रहा। बघेल के इस बयान या कथित कवायद से राजनीतिक तौर पर कांग्रेस के प्रत्याशियों का कितना नफा या नुकसान हो रहा है यह देखने वाली बात है।

दरअसल यह अच्छी लगती है कि दुर्ग से

बाहर जाकर लोग चुनाव लड़ रहे हैं तो दुर्ग का दबदबा है, लेकिन इसके स्याह पक्ष को कितने लोग देख या समझ रहे हैं कि पांच साल सरकार चलाने के बाद राज्य की 11 लोकसभा सीटों पर ऐसे कायकर्ता क्यों नही तैयार किए गये जो वहां के हों और वहीं चुनाव लडऩे की ताकत रखते हों।

यह लिखने या दिखाने वाले को गोदी मीडिया और बोलने वाले को भाजपा स्लीपर सेल कह देने से क्या जिम्मेदारी से बचा जा सकता है। दरअसल अपने विधानसभा क्षेत्र पाटन में कांग्रेस प्रत्याशी राजेन्द्र साहू के लिए चुनाव प्रचार में दिए गए इस भाषण से दुर्ग लोकसभा के कांग्रेस प्रत्याशी आहत हैं, लेकिन बोल पाने की स्थिति में नहीं हैं। किसी राष्ट्रीय पार्टी के सिम्बाल से पहली बार चुनाव लड़ रहे राजेन्द्र साहू इससे पहले कांग्रेस को हराने के लिए ही चुनाव लड़ते या काम करते रहे हैं। यह कोई नई बात इसलिए नहीं है कि दुर्ग की कांग्रेस की राजनीति की यही नियति है।

कांग्रेस को दफन करने के सारे नारे यहीं से निकले और पूरे देश में छा गए, लेकिन 2018 में भूपेश बघेल के मुख्यमंत्री बनने के बाद से कांग्रेस की सत्ता व संगठन में राजेन्द्र इतने खास रहे कि अब लोकसभा के प्रत्याशी हैं। अब यह महज संयोग है या प्रयोग यह समझ से परे है कि आज उनके लिए कार्यकर्ताओं के लाले पड़ गये हैं। भिलाई विधानसभा के विधायक देवेन्द्र यादव बिलासपुर लोकसभा के प्रत्याशी बनते ही अपनी पूरी फौज को लेकर बिलासपुर चले गए हैं।

दुर्ग ग्रामीण से विधायक व मंत्री रहे ताम्रध्वज साहू अपनी पूरी टीम के साथ महासमुन्द में हैं। स्वंय पूर्व मुख्यमंत्री व राजनांदगांव लोकसभा प्रत्याशी भूपेश बघेल के लिए पाटन और वैशाली के कार्यकर्ता राजनांदगांव में डटे हैं। वैशालीनगर से मुकेश चन्द्राकर चुनाव लड़े थे वे हार गए, लेकिन उनकी टीम है और वह अभी राजनांदगांव में हैं।

4 करोड़ का धान घोटाला मामले में 7 लोगों पर हुआ जुर्म दर्ज

महासमुंद,30 मार्च 2024(ए)। जिले की पिरदा सहकारी समिति में किसानों से खरीदे धान, बारदाना के रखरखाव व भंडारण में 4 करोड़ 44 लाख 65 हजार 510 रुपए का घोटाला मामले में 7 लोगों पर एफआईआर दर्ज किया गया है। पुलिस इस मामले में आरोपियों का नाम बताने से परहेज कर रही है। इस समिति में खरीदी से 17 हजार 210 क्विंटल धान का स्टॉक कम मिला था। साथ ही धान की 65 हजार 467 बोरियां कम पाई गई थी। इस मामले में आरोपियों के खिलाफ करीब 3 साल बाद बसना पुलिस ने मामला

दर्ज किया है। जानकारी मिली है कि न्यायालय के आदेश पर बसना पुलिस ने पिरदा सहकारी समिति में साल 2021 को हुई गड़बड़ी की शिकायत पर धारा 153, 3 के तहत मामला पंजीबद्ध किया है।

दरअसल यह मामला 2020 -21 का है और शिकायत है कि धान खरीदी करने वाली समिति में धान के बोरों का रख-रखाव और बरदानो के हिसाब किताब में भारी गड़बड़ी की गई। इस दौरान जिला विपणन अधिकारी द्वारा नियुक्त सरकारी अमले और फिर सहकारी समिति के तत्कालीन पदाधिकारियों और कर्मियों द्वारा अफरा-तफरी की गई।

घायल युवक को नक्सलियों ने 17 दिनों बाद छोड़ा

घर पहुंचा तो गायब था एक पैर

बीजापुर,30 मार्च 2024(ए)। नक्सलियों के द्वारा प्लान्ट किये गए आईईडी में ब्लास्ट के चलते घायल एक युवक को बीते 17 दिनों से बंधक बनाकर रखा गया, जिसे परिजनों से बातचीत के बाद छोड़ दिया गया।

पुलिस ने दी यह जानकारी

पुलिस ने प्रेस रिलीज जारी कर बताया कि नैमेड थाना क्षेत्र के ग्राम कचिलवार निवासी युवक गुड्डू लेकाम, उम्र 18 अपने किसी निजी काम से तेलंगाना के चेरला गया हुआ था। 11 मार्च 2024 को वह वापस कचिलवार आने के लिए पैदल ही जंगल के रास्ते निकला था।इसी बीच गुड्डू इतावर गांव के पास पहुंचा ही था कि शाम 7.30 बजे के आसपास नक्सलियों द्वारा पुलिस को नुकसान

पहुंचाने की नियत से लगाये गए आईईडी बम में ब्लास्ट हुआ और इसकी चपेट में आने से गुड्डू बुरी तरह घायल हो गया। बताया जा रहा है कि 11 मार्च को हुई इस घटना के बाद नक्सलियों ने घायल युवक को अगवा कर लिया। परिजनों को इस बात की जानकारी ही नहीं हुई, और इस बीच नक्सलियों के द्वारा ग्रामीण युवक को 17 दिनों तक अपने पास बंधक बनाकर रखा गया।

परिजनों ने लगाई गुहार, तब..

जब नक्सलियों के द्वारा ग्रामीण को बंधक बनाए जाने की बात सामने आई तब गुड्डू लेकाम के परिजनों ने अपने बेटे के बारे में पता लगाना शुरू कर दिया। लंबे समय के बाद नक्सलियों से जब उसके माता-पिता ने मुलाकात की तो उन्होंने उसे छोड़ने की गुहार लगाई। ग्रामीण युवक के माता-पिता के कहने पर नक्सलियों ने 28 मार्च को गुड्डू लेकाम को छोड़ दिया। नक्सलियों के चुंगल से छूटने के बाद युवक घर पहुंचा, तब उसका एक पैर गायब था और दूसरा भी चोटिल है। युवक के परिजनों ने उसे बीजापुर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया।इसके बाद परिजनों ने ग्रामीण युवक को बेहतर उपचार के लिए उसे बीजापुर के अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से युवक को रायपुर के लिए रेफर कर दिया गया है।

मुठभेड़ के बाद 5 किग्रा आईईडी बरामद

लोकसभा चुनाव से पहले नक्सलियों को कोई मौका नहीं देना चाहती है पुलिस

नारायणपुर,30 मार्च 2024(ए)। नारायणपुर के सोनपुर थाना क्षेत्र में बिनागुण्डा-कोरोनार के जंगल पहाड़ में पुलिस की नक्सलियों के साथ तीन बार मुठभेड़ हुई, जिसके बाद नक्सली भागने को मजबूर हो गए। मौके से 5 किग्रा आईईडी के साथ बड़ी मात्रा में नक्सली सामग्री बरामद की गई है। लोकसभा चुनाव से पहले नक्सलियों को पुलिस कोई मौका नहीं देना चाहती है।

पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार (भापुसे) के मार्गदर्शन में नारायणपुर पुलिस नक्सल विरोधी

अभियान संचालित कर रही है। इसी कड़ी में 27 मार्च को रात्रि में कैम्प मसुपर से एएसपी नारायणपुर (भापुसे) रोबिनसन गुड़िया के नेतृत्व में हमराह डीएसपी लोकेश बंसल व डॉ. प्रशांत देवांगन सहित डीआरजी एवं बस्तर फाइटर की संयुक्त टीमें रवाना हुई। पुलिस पार्टी सर्चिंग गश्त करते हुए 29 मार्च को ग्राम बिनागुण्डा-कोरोनार के जंगल पहाड़ में पहुंची थी, जहां पूर्व से घात लगाकर बैठे माओवादियों ने सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच 3 बार अलग-अलग समय पर सुरक्षा बलों पर फायरिंग की।

.करीबन 04 घंटे तक चले मुठभेड़ के बाद नक्सली घने जंगल व पहाड़ी का फायदा उठाकर भाग गये। फायरिंग बंद होने के पश्चात घटना स्थल की सर्चिंग करने पर 5 किग्रा आईईडी मिला, जिसे बीडीएस टीम ने नष्ट किया। इसके साथ घटना स्थल से नक्सली सामग्री बिजली वायर, बैटरी, दवाई एवं अन्य भारी मात्रा में दैनिक उपयोगी सामग्री बरामद किया गया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)